दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स & कॉमर्स

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

विवरणिका 2023-24

(एनएएसी मान्यता प्राप्त बी+)

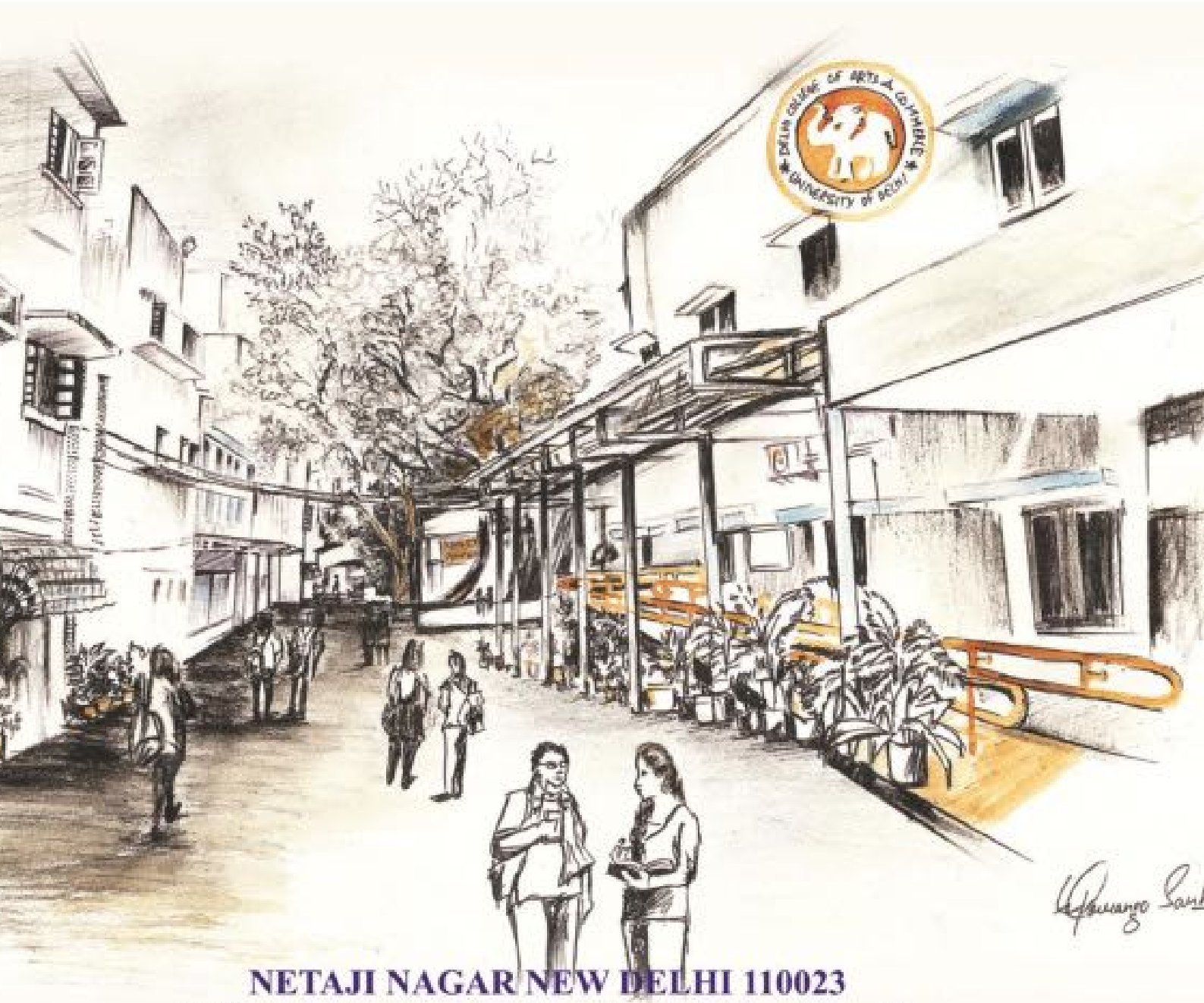

NETAJI NAGAR NEW DELHI 110023

URL: http://dcac.du.ac.in E-mail: principaldcac@gmail.com

Contact : 011-24109821 Fax: 011-26882923

DELHI COLLEGE OF ARTS & COMMERCE
(UNIVERSITY OF DELHI)
NETAJI NAGAR
NEW DELHI-110023

ADMINISTRATIVE BLOCK

विषय- सूची

01	प्राचार्य का स्वागत सन्देश	1
02	कॉलेज की रूपरेखा (प्रोफाइल)	2
03	दाखिला/प्रवेश	3

1. प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेजों की सूची
2. फीस/शुल्क संरचना
3. दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार आरक्षण और छूट
4. अतिरिक्त सीटें
5. प्रस्तावित पाठ्यक्रमों की सूची
6. ऐड-ऑन पाठ्यक्रम

04	विभाग	14
05	कॉलेज की समितियां	33
06	छात्रों की सोसायटी/ उपलब्धियां	34
07	कॉलेज की गतिविधियां और सुविधाएं	41
08	विश्वविद्यालय के अध्यादेश	45
09	कॉलेज के नियम और कानून	50
10	प्रशासनिक कर्मचारी - वर्ग	53

अस्वीकरण: प्रवेश के संबंध में नवीनतम जानकारी के लिए, छात्रों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट - https://admission.uod.ac.in पर जाने की सलाह दी जाती है। किसी भी विसंगति के मामले में, विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई जानकारी को अंतिम माना जाएगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों को ऑनलाइन पंजीकरण करना आवश्यक है।

प्राचार्य का स्वागत सन्देश

छात्रों को बधाई!

मैं दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स & कॉमर्स की ओर से आप सभी का स्वागत करता हूं। डीसीएसी एक सहशैक्षिक और दिल्ली विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कॉलेज है। 1987 में स्थापित डीसीएसी कालेज ने उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में एक प्रतिष्ठा हासिल की है।

डीसीएसी 2500 से अधिक छात्रों की सीखने की आवश्यकताओं को पूरा करता है और यह दिल्ली विश्वविद्यालय में सबसे अधिक पसंद किए जाने वाले कॉलेजों में से एक के रूप में उभरा है। महाविद्यालय न्याय, समानता, सद्भाव, और शांति के मूल्यों को बनाए रखता है, और उम्मीद करता है कि छात्र इन मूल्यों को संजोने और आत्मसात करने का प्रयास करे । महाविद्यालय के प्रेरित और अत्यधिक प्रतिभाशाली शिक्षक सदैव युवा मनों को आकार देने में सक्रिय हैं और ज्ञान की सीमाएं आगे बढ़ाने में समर्पित हैं। गैर-शिक्षक कर्मचारियों के सदस्य शिक्षा, सीखने और अनुसंधान के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाने में समर्थ हैं।

समग्र शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, हम डीसीएसी में हमारे छात्रों में शिक्षा के प्रति प्रेम को बढ़ाने का प्रयास करते हैं ताकि वे जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बन सकें। इसलिए, हम उम्मीद करते हैं कि आप सभी विभिन्न समितियों और सेलों की गतिविधियों में उत्साह से भाग लेंगे।
कॉलेज आपको एक जीवंत स्थान प्रदान करता है, जो आपको पेशेवर दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करेगा एवं आत्मविश्वासी और संवेदनशील युवा वयस्कों के रूप में विकसित होने में मदद करेगा ।

मैं अत्यंत हर्ष के साथ आप सभी का डीसीएसी कॉलेज में स्वागत करता हूँ। कॉलेज में प्रवेश, किसी भी छात्र के जीवन का महत्वपूर्ण अवसर है। मैं आप सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

प्रो. राजीव चोपड़ा

कॉलेज की रूपरेखा (प्रोफाइल)

दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स & कॉमर्स दक्षिण दिल्ली में नेताजी नगर के शांतिपूर्ण एन्क्लेव में स्थित है।

डीसीएसी छह स्नातक ऑनर्स पाठ्यक्रम मुहैया करता है। इसके अलावा यह बी.कॉम प्रोग्राम और बी.ए. प्रोग्राम में पाठ्यक्रम मुहैया करता है। सीबीसीएस-एलओसीएफ मोड के तहत बी.ए. प्रोग्राम में बारह अनुशासन प्रदान करता है। कॉलेज विभिन्न ऐड-ऑन विदेशी भाषा पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है।

कॉलेज अपने छात्रों को जीवन भर का एक रोमांचक सीखने का अनुभव प्रदान करना चाहता है और हमारे संकाय सदस्य और गैर-शिक्षण कर्मचारी इस महान उद्देश्य को साकार करने के लिए ईमानदारी से मिलकर काम करते हैं। छात्रों को गंभीर रूप से सोचने और विश्लेषण की अपनी शक्तियों को तेज करने के लिए प्रशिक्षण देकर, कॉलेज उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है।

डीसीएसी में सीखने की प्रक्रिया में व्याख्यान, सेमिनार, कार्यशालाएं, पावर-पॉइंट प्रस्तुतियां और सम्मेलन शामिल हैं जो छात्रों को विचार की नई धाराओं से अवगत कराते हैं और उन्हें मूल्यवान जीवन-कौशल प्रदान करते हैं जो उन्हें पारंपरिक मूल्यों और समकालीन दुनिया द्वारा पेश की जाने वाली संभावनाओं के बीच रचनात्मक बातचीत करने में सक्षम बनाता है। कॉलेज में एक अत्याधुनिक मीडिया लैब, एक बहुउद्देश्यीय हॉलऔर दो सम्मेलन कक्ष है जो नवीन शैक्षणिक प्रथाओं के लिए अवसर प्रदान करता है। हमारे पास एक गतिशील प्लेसमेंट सेल है जिसने हमारे छात्रों को प्रमुख बहुराष्ट्रीय निगमों में उत्कृष्ट पदों और आकर्षक पैकेजों को हासिल करने में मदद की है।
छात्रों को शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए प्रोत्साहित करने के अलावा, हम उन्हें अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए लगातार प्रेरित करते हैं। प्रोजेक्ट तनज़ील के हिस्से के रूप में, वे पड़ोस में रहने वाले वंचितों के बच्चों को समग्र शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करते हैं।

कॉलेज वाई-फाई सक्षम है। इसमें 120 से अधिक कंप्यूटरों के साथ एक पूरी तरह सुसज्जित कंप्यूटर लैब और एक ई-संसाधन केंद्र के साथ एक अच्छी तरह से स्टॉक की गई लाइब्रेरी है। कॉलेज की खेल, एनएसएस और एनसीसी इकाइयों ने उत्कृष्ट प्रशंसा अर्जित की है और लगातार नई ऊंचाइयों को छूने का प्रयास कर रहे हैं। इसके अलावा, कॉलेज कई सक्रिय और जीवंत छात्र गतिविधियां करता है जैसे कि क्लिक्स फोटोग्राफी सोसाइटी, वाद-विवाद, फैशन, स्ट्रीट प्ले, नृत्य और संगीत, ENACTUS, प्रकृति आदि।

छात्रों को ओरिएंटेशन प्रोग्राम में कॉलेज का विस्तृत परिचय मिलेगा। इसके लिए अनुसूची कॉलेज की वेबसाइट पर अधिसूचित की जाएगी।

दाखिला/प्रवेश

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जारी शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दिशानिर्देशों और कार्यक्रम का दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स द्वारा सख्ती से पालन किया जाएगा। आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://admission.uod.ac.in/पर उपलब्ध विस्तृत दिशा-निर्देशों को देखें.

निम्नलिखित कॉलेज समितियाँ छात्रों के कल्याण के लिए समर्पित हैं:

प्रवेश के लिए नोडल अधिकारी
प्रो. नीरू कपूर
(nkapoor@dcac.du.ac.in)

(ए) केंद्रीकृत प्रवेश समिति
प्रो. राजीव कुमार गोयल - संयोजक
(rkgoel@dcac.du.ac.in)

(बी) शिकायत निवारण समिति
डॉ. मुकेश बगोरिया– संयोजक
9810887805
(mbagoria@dcac.du.ac.in)

(सी) प्रवेश सहायता डेस्क
डॉ. संतोष भारती– संयोजक
9910794444
(santosh.bharti@dcac.du.ac.in)

(डी) खेल प्रवेश समिति
प्रो. राजीव चोपड़ा - अध्यक्ष
डॉ. मनोज राठी – संयोजक
(manoj.rathi@dcac.du.ac.in)

(इ) आरक्षित श्रेणियों (एससी/एसटी/ ओबीसीएनएल/ईडब्ल्यूएस/पीडब्ल्यूबीडी/ अल्पसंख्यक उम्मीदवारों) के लिए प्रवेश सहायता डेस्क
डॉ. मुकेश बगोरिया – संयोजक
9810887805
(mbagoria@dcac.du.ac.in)

(एफ) प्रॉक्टोरियल (अनुशासन) कमेटी
श्री अमित कुमार यादव - संयोजक
(amit.yadav@dcac.du.ac.in)

(जी) शुल्क रियायत/छात्र सहायता कोष समिति
डॉ. संगीता अग्रवाल - संयोजक
(sangeeta.gupta@dcac.du.ac.in)

(एच) गर्ल्स कॉमन रूम (जीसीआर) समिति
सुश्री लक्ष्मी - संयोजिका
(laxmi@dcac.du.ac.in,)

(आई) पत्रिका समिति
डॉ. नेहा जिंगाला - संयोजक
(neha.jingala@dcac.du.ac.in)

(जे) सांस्कृतिक समिति
डॉ. शिल्पा चौधरी - संयोजक
(shilpa.chowdhary@dcac.du.ac.in)

(के) एंटी-रैगिंग समिति
लेफ्टिनेंट भूपिंदर – संयोजक
(bsjaryal@dcac.du.ac.in)
छात्र परिषद के सलाहकार

(एल) ओरिएन्टेशन और वार्षिक दिवस समिति
डॉ. आकृति कोहली - संयोजक
(aakriti.kohli@dcac.du.ac.in)

(एम) प्लेसमेंट समिति
डॉ. शशि कांत- संयोजक
(shashikant@dcac.du.ac.in)

(एन) कौशल विकास समिति
डॉ. शिल्पा चौधरी- संयोजक
(shilpa.chowdary@dcac.du.ac.in)

मूल्य संवर्धन और कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी और एसईसी) के लिए नोडल अधिकारी
श्री अमित कुमार यादव
7042116224 (amit.yadav@dcac.du.ac.in)

प्रवेश के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना

क. प्रवेश के समय आवश्यक दस्तावेजों की सूची

ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने और विश्वविद्यालय द्वारा भौतिक सत्यापन अधिसूचना जारी होने के बाद आवेदकों को निम्नलिखित दस्तावेजों को मूल रूप से स्व-सत्यापित फोटोकॉपी की दो प्रतियों के साथ प्रस्तुत करने की आवश्यकता होगी।

प्रवेश के समय स्व-सत्यापित फोटोकॉपी:

1. ऑनलाइन विश्वविद्यालय पंजीकरण फॉर्म की एक प्रति।
2. आधार कार्ड की एक प्रति।
3. जन्म तिथि और माता-पिता के नाम का संकेत देने वाला दसवीं कक्षा का प्रमाण पत्र (एससी / एसटी / ओबीसी / ईडब्ल्यूएस / सीडब्ल्यू / केएम के तहत आरक्षण का दावा करने वाले आवेदकों के नाम संबंधित आरक्षण प्रमाणपत्रों पर दिखाई देने वाले नामों से मेल खाना चाहिए; इसी तरह, उनके माता-पिता के नाम प्रमाणपत्रों के दोनों सेटों पर समान होने चाहिए) ।
4. दसवीं कक्षा की मार्कशीट।
5. बारहवीं कक्षा की मार्कशीट।
6. बारहवीं कक्षा का अनंतिम प्रमाण पत्र / मूल प्रमाण पत्र।
7. दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार एसडीएम द्वारा जारी एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/सीडब्ल्यू/केएम प्रमाणपत्र (आवेदक के नाम पर)। (एससी/एसटी/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/सीडब्ल्यू/केएम के तहत आरक्षण का दावा करने वाले आवेदकों के नाम उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाणपत्रों पर दिखाई देने वाले नामों से मेल खाना चाहिए; इसी तरह, उनके माता-पिता के नाम प्रमाणपत्रों के दोनों सेटों पर समान होने चाहिए)।
8. ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) सर्टिफिकेट (आवेदक के नाम पर) एसडीएम द्वारा केवल 31 मार्च, 2023 के बाद जारी किया गया है, और जिसमें जाति http://ncbc.nic द्वारा जारी ओबीसी सेंट्रल लिस्ट में है। ।(ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) के तहत आरक्षण का दावा करने वाले आवेदक का नाम आवेदक के नाम से मेल खाना चाहिए क्योंकि यह उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाणपत्रों पर दिखाई देता है; इसी तरह, उनके माता-पिता के नाम प्रमाण पत्र के दोनों सेटों पर समान होने चाहिए)।
9. एसडीएम से निर्धारित प्रारूप में ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र केवल 31 मार्च, 2023 के बाद जारी किया गया है जो यह प्रमाणित करता है कि आवेदक इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा कर सकता है। (इस श्रेणी के तहत आरक्षण का दावा करने वाले आवेदकों के नाम उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाणपत्रों पर दिखाई देने वाले नामों से मेल खाना चाहिए; इसी तरह, उनके माता-पिता का नाम प्रमाणपत्रों के दोनों सेटों पर समान होना चाहिए)।
10. कम से कम चार पासपोर्ट साइज सेल्फ अटेस्टेड फोटो।

यह स्पष्ट किया जाता है कि यदि किसी भी झूठे सत्यापन/झूठे रिकॉर्ड का पता चलता है, तो छात्र को अगले पांच वर्षों के लिए विश्वविद्यालय/या उसके कॉलेजों में किसी भी पाठ्यक्रम में भाग लेने से वंचित कर दिया जाएगा और इसके अलावा, आईपीसी की संबंधित धाराओं अर्थात 470, 471, 474 आदि) के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा।

निम्नलिखित दस्तावेजों में से एक, स्व-सत्यापित घोषणाओं को जमा करने के समय पहचान के प्रमाण के रूप में एक स्व-सत्यापित प्रति के साथ: , मूल रूप से
1. वोटर आईडी कार्ड
2. आधार कार्ड
3. ड्राइविंग लाइसेंस
4. पैन कार्ड
5. पासपोर्ट

ख. शुल्क संरचना

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए प्रथम वर्ष 2023-2024 में शुल्क संरचना और छात्र प्रवेश

कुल सीटें							शुल्क संरचना ₹			
पाठ्यक्रम	पथयाक्रम के कुल छात्र	यू आर	एस सी	ए स टी	ओ बी सी	ईडब्ल्यूएस	यूआर/ ओबीसी/ ईडब्ल्यएस	एससी	एसटी	पीडब्लडी
बी.ए. (कार्यक्रम)	171	69	26	13	46	17	10905	10905	10905	105
बी.कॉम. (कार्यक्रम)	171	69	26	13	46	17	10905	10905	10905	105
बी.कॉम. (ऑनर्स)	115	46	17	9	31	12	10905	10905	10905	105
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	58	24	9	4	16	05	10905	10905	10905	105
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी	58	24	9	4	16	05	10905	10905	10905	105
बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास	58	24	9	4	16	05	10905	10905	10905	105
बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता	39	16	6	3	11	3	20255	20255	20255	105
बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	58	24	9	4	16	05	10905	10905	10905	105

नोट

निम्नलिखित पाठ्यक्रम/विषय/पेपर के लिए अतिरिक्त शुल्क

बी ए (कार्यक्रम)- एएसपीएम/जर्मन/एचआरएम/स्पेनिश =500/- = 10905+500=10405
बी ए (कार्यक्रम)- कंप्यूटर अनुप्रयोग = 600/- = 10905+600=11505

- ओबीसी/एससी/एसटी/ईडब्ल्यूएस के लिए सीटों का आरक्षण दिल्ली विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार है।
- सभी मामलों में, सुरक्षा जमा/कॉशन मनी (यदि कोई हो) संबंधित तिमाहियों से मंजूरी प्राप्त करने के बाद वापस की जाएगी, बशर्ते वह संस्थान छोड़ने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर इसकी वापसी के लिए आवेदन करे।
- छात्र द्वारा भुगतान किया गया परीक्षा शुल्क प्रस्तावित पाठ्यक्रम और प्रत्येक सेमेस्टर के पेपर पर निर्भर करेगा।
- शुल्क वापसी प्रक्रिया केंद्रीकृत है। इसलिए, उम्मीदवारों को रिफंड के संबंध में प्रश्नों के लिए विश्वविद्यालय प्रवेश समिति से संपर्क करना चाहिए।

ग. दिल्ली विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार आरक्षण और छूट

3.ग.1 अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी)आवेदक के लिए सीटों का आरक्षण

कुल सीटों का 22.5% अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है (अनुसूचित जाति के लिए 15% और अनुसूचित जनजाति के लिए 7.5%, यदि आवश्यक हो तो अदला-बदली)।
पंजीकरण और प्रवेश के समय उम्मीदवार के पास अपने नाम पर जाति / जनजाति प्रमाण पत्र होना चाहिए। जाति प्रमाण पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख होना चाहिए:
(ए) उसकी जाति / जनजाति का नाम
(बी) क्या उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित है
(सी) जिला और राज्य या केंद्र शासित प्रदेश उम्मीदवार के सामान्य निवास स्थान, और
(डी) उपयुक्त सरकार। भारत की अनुसूची जिसके तहत उसकी जाति / जनजाति को अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के रूप में अनुमोदित किया गया है।

प्रवेश के समय उम्मीदवार को वैध मूल अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति जाति / जनजाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

निम्नलिखित को अपेक्षित एससी/एसटी प्रमाणपत्र जारी करने का अधिकार है:
a)जिला मजिस्ट्रेट/अपर जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर/उपायुक्त/अतिरिक्त। डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी वजीफा मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट/उप-मंडल मजिस्ट्रेट/तालुका मजिस्ट्रेट/कार्यकारी मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त सहायक आयुक्त।
बी) मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट / अतिरिक्त। मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट।
ग) राजस्व अधिकारी जो तहसीलदार के पद से नीचे का न हो।
घ) उस क्षेत्र का अनुमंडल अधिकारी जहां आवेदक और/या उसका परिवार सामान्य रूप से रहता है।
ई) प्रशासक / सचिव के प्रशासक / विकास अधिकारी (लक्षद्वीप द्वीप समूह)।

उम्मीदवार ध्यान दें कि किसी भी मामले में किसी अन्य व्यक्ति / प्राधिकरण से एससी / एसटी प्रमाण पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उम्मीदवार एससी या एसटी से संबंधित होता है, तो उम्मीदवार की जाति / जनजाति को उपयुक्त सरकार में सूचीबद्ध किया जाना चाहिए। भारत अनुसूची.

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सभी सीटों को भरना कॉलेजों की ओर से एक वैधानिक दायित्व है।

महाविद्यालय किसी भी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी को शिक्षा के माध्यम के आधार पर प्रवेश से मना नहीं करेगा। किसी विशेष भाषा के ज्ञान में किसी भी कमी को दूर किया जाना चाहिए; इस प्रयोजन के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से उपलब्ध अनुदानों का उपयोग करके महाविद्यालय द्वारा उपचारात्मक कक्षाओं की व्यवस्था की जा सकती है।

3.ग.2 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी, नॉन-क्रीमी लेयर, सेंट्रल लिस्ट) के लिए सीटों का आरक्षण

आरक्षण के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय अधिसूचना (संदर्भ संख्या एसीए । / ईडब्ल्यूएस का आरक्षण / 2019/63 दिनांक 28 मार्च 2019 और संदर्भ संख्या एसीए । / ईडब्ल्यूएस का आरक्षण / 2019 / 101 दिनांक 15 मई 2019) के अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के लिए, विश्वविद्यालय के विभागों / केंद्रों / कॉलेजों ने ईडब्ल्यूएस श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों के प्रवेश के लिए 10% सीटें आरक्षित की हैं। प्रमाणपत्र 31 मार्च, 2023 को या उसके बाद जारी किया जाना चाहिए।

घ. सुपरन्यूमेरी सीटों

सभी सुपरन्यूमेरी सीटों पर प्रवेश सीयूईटी 2023 के माध्यम से होगा। सुपरन्यूमेरी सीटों पर प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी 2023 में उपस्थित होना होगा।

i) पीडब्ल्यूबीडी (मानक विकलांग व्यक्ति)
ii) सीडब्ल्यू (पैरा-मिलिट्री सहित सशस्त्र बलों के कर्मियों के बच्चे/विधवाएं)
iii) ईसीए (अतिरिक्त पाठयक्रम गतिविधि)
iv) खेल
v) के एम (कश्मीरी प्रवासी)
vi) पीएमएसएस (जम्मू और कश्मीर के लिए प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति)
vii) डब्ल्यूक्यू (वार्ड कोटा)
viii) ओक्यू (अनाथ कोटा)

3.घ.1. बेंचमार्क विकलांग व्यक्तियों के लिए सीटों का आरक्षण (PwBD)

ए. लोकोमोटर विकलांगता
लोकोमोटर विकलांगता (एक व्यक्ति की स्वयं की गति से जुड़ी विशिष्ट गतिविधियों को निष्पादित करने में असमर्थता और मस्कुलोस्केलेटल या तंत्रिका तंत्र या दोनों की गतिविधि के परिणामस्वरूप वस्तुओं), जिसमें शामिल हैं-

(ए) "कुष्ठ रोग से ठीक व्यक्ति" का अर्थ है वह व्यक्ति जो कुष्ठ रोग से ठीक हो गया है लेकिन पीड़ित है-
i) हाथों या पैरों में संवेदना की हानि के साथ-साथ आंख और पलक में संवेदना और पैरेसिस की हानि लेकिन विकृति की कोई अभिव्यक्ति नहीं;
ii) विकृति और पैरेसिस प्रकट करना लेकिन उनके हाथों और पैरों में पर्याप्त गतिशीलता होना ताकि वे सामान्य आर्थिक गतिविधियों में संलग्न हो सकें;
iii) अत्यधिक शारीरिक विकृति के साथ-साथ उन्नत आयु जो उसे कोई भी लाभकारी व्यवसाय करने से रोकती है, और अभिव्यक्ति "कुष्ठ रोगमुक्त" का अर्थ तदनुसार लगाया जाएगा;
(बी) "सेरेब्रल पाल्सी" का अर्थ शरीर की गतिविधियों और मांसपेशियों के समन्वय को प्रभावित करने वाली गैर-प्रगतिशील न्यूरोलॉजिकल स्थिति का एक समूह है, जो मस्तिष्क के एक या अधिक विशिष्ट क्षेत्रों को नुकसान पहुंचाता है, जो आमतौर पर जन्म से पहले, उसके दौरान या उसके तुरंत बाद होता है;
(सी) "द्वारसम" का अर्थ एक चिकित्सा या आनुवंशिक स्थिति है जिसके परिणामस्वरूप 4 फीट 10 इंच (147 सेंटीमीटर) या उससे कम की वयस्क ऊंचाई होती है;
(डी) "मस्कुलर डिस्ट्रॉफी" का अर्थ वंशानुगत आनुवंशिक मांसपेशी रोग का एक समूह है जो मानव शरीर को स्थानांतरित करने वाली मांसपेशियों को कमजोर करता है और कई डिस्ट्रोफी वाले व्यक्तियों के जीन में गलत और अनुपलब्ध जानकारी होती है, जो उन्हें स्वस्थ के लिए आवश्यक प्रोटीन बनाने से रोकती है। प्रगतिशील कंकाल की मांसपेशियों की कमजोरी, मांसपेशियों के प्रोटीन में दोष और मांसपेशियों की कोशिकाओं और ऊतकों की मृत्यु की विशेषता है;
(ई) "एसिड अटैक पीड़ित" का अर्थ है तेजाब या इसी तरह के संक्षारक को फेंकने से हिंसक हमलों के कारण बदनाम व्यक्ति।

बी. दृश्य हानि
(ए) "अंधापन" का अर्थ उस स्थिति से है जहां किसी व्यक्ति में निम्न में से कोई भी होता है:

(i) दृष्टि की पूर्ण अनुपस्थिति; या
(ii) दृश्य तीक्ष्णता 3/60 से कम या 10/200 से कम (स्नेलन) बेहतर आँख में सर्वोत्तम संभव सुधार के साथ; या
(iii) सर्वोत्तम सुधार के बाद, 10 से कम परिस्थितियों के कारण कोण को घटाते हुए दृष्टि क्षेत्र की सीमा।

(बी) "कम दृष्टि" का अर्थ ऐसी स्थिति से है जहां किसी व्यक्ति की निम्नलिखित में से कोई भी स्थिति होती है, अर्थात्:
(i) दृश्य तीक्ष्णता 6/18 से अधिक नहीं या 20/60 से कम 3/60 तक या 10/200 (स्नेलन) तक बेहतर आंख में सर्वोत्तम संभव सुधार के साथ; या
(ii) 40 डिग्री से कम के कोण को 10 डिग्री तक घटाकर देखने के क्षेत्र की सीमा।

सी. श्रवण दोष
(ए) "बधिर" का अर्थ है दोनों कानों में भाषण आवृत्तियों में 70 डीबी सुनवाई हानि वाले व्यक्ति;
(बी) "हार्ड ऑफ हियरिंग" का अर्थ है दोनों कानों में भाषण आवृत्तियों में 60 डीबी से 70 डीबी सुनवाई हानि वाले व्यक्ति;
(सी) "भाषण और भाषा अक्षमता" का अर्थ है एक स्थायी अक्षमता जो लैरींगेक्टोमी या वाचाघात जैसी स्थितियों से उत्पन्न होती है जो कार्बनिक या तंत्रिका संबंधी के कारण भाषण और भाषा के एक या अधिक घटकों को प्रभावित करती है।

डी. बौद्धिक अक्षमता
बौद्धिक कार्यप्रणाली (तर्क, सीखने, समस्या समाधान) और अनुकूली व्यवहार दोनों में महत्वपूर्ण सीमा की विशेषता वाली स्थिति जिसमें हर दिन, सामाजिक और व्यावहारिक कौशल शामिल हैं, जिनमें शामिल हैं-

(ए) "विशिष्ट सीखने की अक्षमता" का अर्थ परिस्थितियों का एक विषम समूह है, जिसमें बोली जाने वाली या लिखित भाषा को संसाधित करने में कमी होती है, जो खुद को समझने, बोलने, पढ़ने, लिखने, वर्तनी या गणितीय गणना करने में कठिनाई के रूप में प्रकट हो सकती है। और अवधारणात्मक अक्षमता, डिस्लेक्सिया, डिस्ग्राफिया, डिस्केकुलिया, डिस्प्रेक्सिया और विकासात्मक वाचाघात जैसी स्थितियां शामिल हैं;
(बी) "ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर" का अर्थ एक न्यूरो-विकासात्मक स्थिति है जो आमतौर पर जीवन के पहले तीन वर्षों में दिखाई देती है जो किसी व्यक्ति की संवाद करने, रिश्तों को समझने और दूसरों से संबंधित होने की क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है, और अक्सर असामान्य या रूढ़िवादी अनुष्ठानों से जुड़ी होती है।

ई. मानसिक व्यवहार
"मानसिक व्यवहार" का अर्थ है सोच, मनोदशा, धारणा, अभिविन्यास या स्मृति का एक बड़ा विकार जो निर्णय, व्यवहार, वास्तविकता को पहचानने की क्षमता या जीवन की सामान्य मांगों को पूरा करने की क्षमता को प्रभावित करता है, लेकिन इसमें मंदता शामिल नहीं है जो गिरफ्तार होने की स्थिति है या किसी व्यक्ति के दिमाग का अधूरा विकास, विशेष रूप से बुद्धि की उप सामान्यता द्वारा विशेषता।

एफ. पुरानी न्यूरोलॉजिकल स्थितियों के कारण होने वाली विकलांगता, जैसे-
(ए) "मल्टीपल स्केलेरोसिस" का अर्थ है एक सूजन, तंत्रिका तंत्र की बीमारी जिसमें मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के तंत्रिका कोशिकाओं के अक्षतंतु के आसपास माइलिन म्यान क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, जिससे मस्तिष्क में तंत्रिका कोशिकाओं की क्षमता और प्रभावित होती है। एक दूसरे के साथ संवाद करने के लिए रीढ़ की हड्डी;
(बी) "पार्किंसंस रोग" का अर्थ है तंत्रिका तंत्र का एक प्रगतिशील रोग जो कंपन, पेशीय कठोरता, और धीमी, अचूक गति, मस्तिष्क के बेसल गैन्ग्लिया के अध: पतन से जुड़े मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्ग लोगों को प्रभावित करता है और इसकी कमी न्यूरोट्रांसमीटर।

जी. रक्त विकार
(ए) "हीमोफिलिया" का अर्थ एक विरासत में मिली बीमारी है, जो आमतौर पर केवल पुरुष को प्रभावित करती है, लेकिन महिलाओं द्वारा अपने पुरुष बच्चों को प्रेषित की जाती है, जो रक्त की सामान्य थक्का जमने की क्षमता की हानि या हानि की विशेषता होती है ताकि एक मामूली घाव के परिणामस्वरूप घातक रक्तस्राव हो सकता है;
(बी) "थैलेसीमिया" का अर्थ वंशानुगत विकारों का एक समूह है जो हीमोग्लोबिन की कम या अनुपस्थित मात्रा की विशेषता है।

(सी) "सिकल सेल रोग" का अर्थ एक हेमोलिटिक विकार है जो पुरानी रक्ताल्पता, दर्दनाक घटनाओं और संबंधित ऊतक और अंग क्षति के कारण विभिन्न जटिलताओं की विशेषता है; "हेमोलिटिक" लाल रक्त कोशिकाओं की कोशिका झिल्ली के विनाश को संदर्भित करता है जिसके परिणामस्वरूप रिहाई होती है।

एच. एकाधिक विकलांगताएं (उपरोक्त निर्दिष्ट विकलांगों में से एक से अधिक)
बहरा अंधापन सहित बहु-विकलांगता जिसका अर्थ है एक ऐसी स्थिति जिसमें एक व्यक्ति में सुनने और देखने की अक्षमता का संयोजन हो सकता है जिससे गंभीर संचार, विकासात्मक और शैक्षिक समस्याएं हो सकती हैं।

कोई अन्य श्रेणी जिसे केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित किया जा सकता है।

बेंचमार्क विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) उम्मीदवारों के संबंध में रियायती/शुल्क की छूट

1. विश्वविद्यालय के संकायों, विभागों, केंद्रों और संस्थानों / कॉलेजों में अध्ययन के विभिन्न कार्यक्रमों में शारीरिक रूप से अक्षम उम्मीदवारों को प्रवेश शुल्क, दिल्ली विश्वविद्यालय की सदस्यता के अलावा परीक्षा शुल्क और अन्य विश्वविद्यालय शुल्क सहित शुल्क के भुगतान से छूट दी जाएगी। छात्र संघ और पहचान पत्र शुल्क (विश्वविद्यालय के अध्यादेश X(4) में संशोधन के अनुसार)।

2 .पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार जो अनारक्षित श्रेणी के लिए योग्यता को पूरा करते हैं और अनारक्षित श्रेणी (यूआर) में प्रवेश लेंगे, वे पीडब्ल्यूबीडी के लिए प्रासंगिक शुल्क का भुगतान करेंगे।

3. कार्यकारी परिषद के संकल्प संख्या 50 दिनांक 03.11.2012 के अनुसार, विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों / हॉल में रहने वाले शारीरिक विकलांग छात्रों को वापसी योग्य सावधानी शुल्क और शारीरिक विकलांग व्यक्तियों को छोड़कर सभी छात्रावास शुल्क और शुल्क के भुगतान से छूट दी गई है। जो छात्र हैं, उन्हें मेस शुल्क का 50% और उनके मेस शुल्क का शेष 50% दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जाएगा। कॉलेजों के विभिन्न छात्रावासों में रहने वाले पीडब्ल्यूबीडी छात्रों के संबंध में कॉलेजों द्वारा इसी तरह के मानदंड अपनाए जाने हैं।

4.PwBD छात्र जो फेलोशिप/वित्तीय सहायता प्राप्त कर रहे हैं, उन्हें निम्नलिखित शर्तों के अधीन शुल्क/शुल्क/मेस शुल्क के भुगतान से छूट दी जाएगी।

फेलोशिप मूल्य	**फीस माफी में छूट**
3000/- तक प्रति माह	फीस माफी + 50% मेस सब्सिडी
3001/- से 8000/- प्रति माह	फीस माफी लेकिन मेस सब्सिडी नहीं
8001/- और ऊपर प्रति माह	कोई शुल्क माफी नहीं और कोई छात्रावास सब्सिडी नहीं

3.घ.2 सशस्त्र बलों के कार्मिकों के बच्चों/विधवाओं के लिए आरक्षण

1. सभी कॉलेजों में पाठ्यक्रमवार इस श्रेणी के अंतर्गत आवेदकों के लिए पांच प्रतिशत (5%) सीटें आरक्षित हैं।
2. ऐसे सभी आवेदकों को निम्नलिखित में से किसी भी प्राधिकारी द्वारा जारी किए जाने वाले शैक्षिक रियायत प्रमाणपत्र (परिशिष्ट VII में दिए गए प्रारूप के अनुसार) को उचित लेटरहेड पर अपलोड करना होगा:

(ए) सचिव, केंद्रीय सैनिक बोर्ड, दिल्ली।
(बी) सचिव, राज्य जिला सैनिक बोर्ड।
(ग) प्रभारी अधिकारी, अभिलेख कार्यालय।
(डी) प्रथम श्रेणी वजीफा मजिस्ट्रेट।
(ई) गृह मंत्रालय (वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले पुलिस कर्मियों के लिए)।

किसी अन्य प्रारूप की अनुमति नहीं होगी। माता-पिता या आश्रित के आईडी कार्ड, मेडिकल कार्ड, राशन कार्ड, सीएसडी कार्ड, आदि के रूप में सीडब्ल्यू श्रेणी के प्रमाण सही प्रारूप में प्रमाण पत्र के स्थान पर स्वीकार्य नहीं हैं। प्रमाण पत्र में प्राथमिकता का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए। प्रासंगिक प्राथमिकता का उल्लेख नहीं करने वाले प्रमाणपत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

पैरा-मिलिट्री कार्मिक (केवल प्राथमिकता I से V) सहित सशस्त्र बलों (प्राथमिकता I से IX) के कार्मिकों के बच्चों/विधवाओं को वरीयता के निम्नलिखित क्रम में प्रवेश दिया जा सकता है।

प्राथमिकता 1	कार्रवाई में मारे गए रक्षा कर्मियों की विधवाएं/बच्चे
प्राथमिकता 2	कार्रवाई में अक्षम रक्षा कर्मियों के बच्चे और सैन्य सेवा के कारण विकलांगता के साथ सेवा से बाहर हो गए
प्राथमिकता 3	सैन्य सेवा के कारण मृत्यु के साथ सेवा के दौरान शहीद हुए रक्षा कर्मियों की विधवाएं/बच्चे
प्राथमिकता 4	रक्षा कर्मियों के बच्चे सेवा में अक्षम और सैन्य सेवा के कारण विकलांगता के साथ बोर्ड से बाहर हो गए
प्राथमिकता 5	वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले पुलिस बलों के कर्मियों सहित भूतपूर्व सैनिकों और सेवारत कर्मियों के बच्चे; 1.परमवीर चक्र 2.अशोक चक्र 3.महावीर चक्र 4.कीर्ति चक्र 5.वीर चक्र 6.शौर्य चक्र 7.शौर्य के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक/अग्निशमन कर्मियों के लिए राष्ट्रपति वीरता पदक 8.सेना पदक (वीरता), नौ सेना पदक (वीरता), वायु सेना पदक (वीरता) 9.मेंशन-इन-डिस्पैच 10.दमकल सेवाओं के लिए वीरता/शौर्य पदक के लिए पुलिस पदक
प्राथमिकता 6	भूतपूर्व सैनिकों के बच्चे
प्राथमिकता 7	की पत्नियां: 1.रक्षा कर्मी कार्रवाई में अक्षम और सेवा से बाहर हो गए 2.रक्षा कर्मी सेवा में अक्षम और सैन्य सेवा के कारण विकलांगता के साथ बोर्ड से बाहर हो गए 3.वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले भूतपूर्व सैनिक और सेवारत कर्मी
प्राथमिकता 8	सेवारत कार्मिकों के वार्ड
प्राथमिकता 9	सेवारत कार्मिकों की पत्नियाँ

3.घ.3. कश्मीरी प्रवासियों के लिए सीटों का आरक्षण (KM)

कश्मीरी प्रवासियों के बच्चों के लिए सभी कॉलेजों में 5% तक सीटें आरक्षित हैं। कश्मीरी प्रवासियों के सभी वार्डों को संभागीय आयुक्त/राहत आयुक्त द्वारा जारी कश्मीरी प्रवासियों के रूप में पंजीकरण का प्रमाण पत्र अपलोड करना होगा। कश्मीरी प्रवासियों कोटे के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को CUET 2023 में उपस्थित होना होगा।

3.घ.4 जम्मू और कश्मीर के लिए प्रधान मंत्री की विशेष छात्रवृत्ति

जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधान मंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को CUET 2023 में उपस्थित होना होगा।

3.घ.5 दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का वार्ड कोटा

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के वार्ड कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को CUET 2023 में उपस्थित होना होगा।

विश्वविद्यालय और उसके कॉलेज के कर्मचारियों के बच्चों, शिक्षण और गैर-शिक्षण दोनों में प्रवेश अकादमिक परिषद के संकल्प 9 ए और बी दिनांक 27.11.2020 और उसके बाद के संशोधनों के अनुसार किया जाएगा।

पंजीकरण के समय उम्मीदवारों के पास उचित अधिकारियों द्वारा जारी वैध रोजगार प्रमाण पत्र होना चाहिए। पंजीकरण के समय अपलोड किए गए रोजगार प्रमाण पत्र पर ही विचार किया जाएगा। आई-कार्ड, आधार कार्ड और/या कोई अन्य दस्तावेज स्वीकार नहीं किया जाएगा।

3.घ.6 अनाथ कोटा

अनाथों के लिए अतिरिक्त कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2023 में उपस्थित होना अनिवार्य है। दिल्ली विश्वविद्यालय अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट स्तर पर अध्ययन के प्रत्येक कार्यक्रम में दो उम्मीदवारों को (एक पुरुष और एक महिला) प्रवेश करेगा। ये दो सीटें अतिरिक्त होंगी।
विश्वविद्यालय के परिषद ने इससे संबंधित निर्धारित किया कि इस प्रकार के छात्रों के प्रवेश और अध्ययन के लिए उधारण जुटाने के लिए विश्वविद्यालय के कल्याण निधि या कॉलेज छात्र कल्याण निधि का उपयोग किया जाएगा, जैसा कि उचित होगा, विश्वविद्यालय या कॉलेज में प्रवेश के लिए।

3.घ.7 पाठ्येतर गतिविधियां (ईसीए) और खेल कोटा

ECA और/या स्पोर्ट्स के लिए सुपरन्यूमेरी कोटे के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को CUET 2023 में उपस्थित होना होगा।
ईसीए और स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी सीटों में प्रवेश के लिए सीयूईटी स्कोर को 25% और प्रमाण पत्र / परीक्षण / प्रदर्शन के लिए 75% वेटेज दिया जाएगा।

कॉलेज निम्नलिखित खेल प्रदान करता है:
एथलेटिक्स, बास्केट बॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, जूडो, निशानेबाजी, तैराकी, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल।

ङ. प्रस्तावित पाठ्यक्रमों की सूची

1. बी.ए. (कार्यक्रम)*
2. बी.कॉम. (कार्यक्रम)
3. बी.कॉम. (ऑनर्स)
4. बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र
5. बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी
6. बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास
7. बी.ए. (ऑनर्स) पत्रकारिता
8. बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान

*** बी.ए.(कार्यक्रम)कॉलेज में निम्नलिखित अनुशासन विकल्पों के साथ पेश किया जाता है:**

क्र सं	अनुशासन-I	अनुशासन-II
1.	लेखा और वित्त	कंप्यूटर अनुप्रयोग
2.	एएसपीएम (विज्ञापन बिक्री संवर्धन और प्रबंधन)	अर्थशास्त्र
3.	कंप्यूटर अनुप्रयोग	गणित
4.	कंप्यूटर अनुप्रयोग	ऑपरेशनल रिसर्च
5.	अर्थशास्त्र	एचआरएम (मानव संसाधन प्रबंधन)
6.	अर्थशास्त्र	गणित
7.	हिंदी(अनुशासन)	इतिहास
8.	हिंदी(अनुशासन)	राजनीतिक विज्ञान
9.	हिंदी(अनुशासन)	शारीरिक शिक्षा
10.	इतिहास	राजनीतिक विज्ञान
11.	अंग्रेजी(अनुशासन)	जर्मन
12.	अंग्रेजी(अनुशासन)	स्पेनिश

च. ऐड-ऑन पाठ्यक्रम

कॉलेज निम्नलिखित ऐड-ऑन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करता है:

क्रमांक	पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या	अवधि
1	जर्मन- सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा	50	6 महीने
2	स्पेनिश- सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा	50	6 महीने
3	फ्रेंच- सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा	50	6 महीने
4	मास मीडिया में बुनियादी पाठ्यक्रम	20	3 महीने

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के संबंध में सभी जानकारी कॉलेज की वेबसाइट पर अधिसूचित की जाती है। इन पाठ्यक्रमों के समन्वयक डॉ.कृष्ण लाल ढींगरा (kldhingra@dcac.du.ac.in) हैं।

3.च.1. डिजिटल मार्केटिंग सर्टिफ़िकेट् कोर्स

कॉलेज किसी भी विद्यार्थी के लिए डिजिटल मार्केटिंग में सर्टिफिकेट कोर्स प्रदान करता है जो डिजिटल मार्केटिंग के मूल सिद्धांतों को सीखना चाहता है और इस उभरते क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहता है।

कोर्स की अवधि: 6 महीने

विभाग

वाणिज्य विभाग

कॉलेज विभिन्न बैचलर कोर्सेज प्रदान करता है जो वाणिज्य में हैं: वाणिज्य (आनर्स) स्नातक, वाणिज्य (प्रोग्राम) स्नातक और वाणिज्य-आधारित विषय संयोजनों के साथ आर्ट्स (प्रोग्राम) का स्नातक, जिसमें निम्नलिखित संयोजन हैं:
(अ) विज्ञापन और बिक्री प्रचार और बिक्री प्रबंधन के साथ अर्थशास्त्र
(बी) मानव संसाधन प्रबंधन के साथ अर्थशास्त्र
(सी) लेखा और वित्त के साथ कंप्यूटर एप्लीकेशन।
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रस्तावना के साथ, जिसमें वाणिज्य, कला, विज्ञान और पाठ्येतर अनुशासन के विषयों के बीच कोई प्रत्यक्ष भेद नहीं होगा, हम अपने छात्रों को व्यावसायिकता, वाणिज्य, व्यापार और सामाजिक जिम्मेदारी से संबंधित एसईसी, वीएसी, और जीई पेपर्स प्रदान कर रहे हैं।

-लेफ्टिनेंट भूपिंदर

संकाय सदस्य

1	प्रो. राजीव चोपड़ा	मुख्याध्यापक	principaldcac@gmail.com
2	प्रो. राजीव कु. गोयल	प्रोफ़ेसर	rkgoel@dcac.du.ac.in
3	प्रो. अनीता	प्रोफ़ेसर	anita@dcac.du.ac.in
4	प्रो. नीरू कपूर	प्रोफ़ेसर	nkapoor@dcac.du.ac.in
5	प्रो. बिजया ठाकुर	प्रोफ़ेसर	bthakur@dcac.du.ac.in
6	लेफ्टिनेंट भूपिंदर	सहायक प्रोफ़ेसर	bsjaryal@dcac.du.ac.in
7	डॉ. किशोर कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	kishor.kumar@dcac.du.ac.in
8	डॉ. अनुज जैन	सहायक प्रोफ़ेसर	anuj.jain@dcac.du.ac.in
9	सुश्री नेहा अग्रवाल	सहायक प्रोफ़ेसर	neha.agarwal@dcac.du.ac.in
10	डॉ. संगीता अग्रवाल	सहायक प्रोफ़ेसर	sangeeta.gupta@dcac.du.ac.in
11	डॉ. शालू खन्नी	सहायक प्रोफ़ेसर	shallu.9891@dcac.du.ac.in
12	सुश्री ललिता कुमारी	सहायक प्रोफ़ेसर	lalita.kumari@dcac.du.ac.in
13	डॉ. चंदन कुमार सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	chandan.k.singh@dcac.du.ac.in
14	सुश्री किरण गुप्ता	सहायक प्रोफ़ेसर	kiran.gupta@dcac.du.ac.in
15	सुश्री आकांक्षा गर्ग	सहायक प्रोफ़ेसर	akanksha.garg@dcac.du.ac.in
16	श्री राधेश्याम कलावट	सहायक प्रोफ़ेसर	radheshyam.kalawat@dcac.du.ac.in
17	सुश्री लक्ष्मी	सहायक प्रोफ़ेसर	laxmi@dcac.du.ac.in
18	श्री शुभम चावड़िया	सहायक प्रोफ़ेसर	shubham.chavriya@dcac.du.ac.in
19	श्री प्रेम सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	prem.singh@dcac.du.ac.in
20	डॉ. मुकेश कुमार मीणा	सहायक प्रोफ़ेसर	mukesh.meena@dcac.du.ac.in
21	सुश्री मोनिका अरोड़ा	सहायक प्रोफ़ेसर	monika.arora@dcac.du.ac.in
22	डॉ. रोहिणी बघेल	सहायक प्रोफ़ेसर	rohini.baghel@dcac.du.ac.in
23	डॉ. मनीषा सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	manisha.singh@dcac.du.ac.in
24	सुश्री पवन कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	pawan.kumar@dcac.du.ac.in
25	श्री ब्रिजेश यादव	सहायक प्रोफ़ेसर	brijesh.yadav@dcac.du.ac.in
26	श्री घनश्याम चंद यादव	सहायक प्रोफ़ेसर	ghanshyamchand.yadav@dcac.du.ac.in
27	डॉ. विप्रा कपूर	सहायक प्रोफ़ेसर	vipra.kapoor@dcac.du.ac.in
28	डॉ. विकास कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	vikas.kumar@dcac.du.ac.in
29	डॉ. आकांक्षा खुराना	सहायक प्रोफ़ेसर	akanksha.khurana@dcac.du.ac.in
30	डॉ. अंकिता गुप्ता	सहायक प्रोफ़ेसर	ankita6669@gmail.com
31	श्री भरत कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	kumarbharat.1902@gmail.com

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

कंप्यूटर विज्ञान विभाग संस्थान का एक अभिन्न अंग बना हुआ है। यह एक संगठनात्मक संरचना है जो कंप्यूटर विज्ञान और आईटी के क्षेत्र में हो रही बदलती तकनीकों के प्रति गतिशील रूप से कार्य कर सकती है। कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा प्रदान किए जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों से छात्रों को आधुनिक कंप्यूटिंग के ज्ञान का अनुप्रयोग करने की क्षमता प्राप्त होती है, जिससे वे किसी भी समस्या का विश्लेषण कर सकते हैं और इसके समाधान के लिए उचित कंप्यूटिंग आवश्यकताएं पहचान सकते हैं। छात्र इसके साथ ही कंप्यूटर-आधारित सिस्टम, प्रक्रिया, घटक या कार्यक्रम का निर्माण, कार्यान्वयन और मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित करते हैं ताकि उन्हें वांछित आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षमता हासिल होती है। वे व्यक्तियों, संगठनों और समाज पर कंप्यूटिंग के स्थानीय और वैश्विक प्रभाव का विश्लेषण करने की क्षमता प्राप्त करते हैं। पाठ्यक्रम के अंत तक, छात्र को कंप्यूटिंग अभ्यास के लिए वर्तमान तकनीक, कौशल और उपकरणों का उपयोग करने की क्षमता हासिल हो जाएगी। कॉलेज एकाधिकार कार्यक्रमों में बीए (कार्यक्रम) में निम्नलिखित कंप्यूटर एप्लीकेशन पाठ्यक्रम प्रदान करता है:

(अ) लेखा और वित्त के साथ कंप्यूटर एप्लीकेशन
(ब) ऑपरेशन रिसर्च के साथ कंप्यूटर एप्लीकेशन
(सी) गणित के साथ कंप्यूटर एप्लीकेशन

कंप्यूटर विज्ञान विभाग इसके साथ ही फ्रंट एंड वेब डिजाइन और विकास, बेसिक आईटी उपकरण जैसे कौशल विकास पाठ्यक्रम भी प्रदान कर रहा है, जिनमें डिजिटल सशक्तिकरण भी शामिल है।

-डॉ. ममता कुमारी

संकाय सदस्य

1	डॉ. ममता कुमारी	सहायक प्रोफ़ेसर	mamta.kumari@dcac.du.ac.in
2	श्री अमन कुमार पांडे	सहायक प्रोफ़ेसर	aman.pandey@dcac.du.ac.in

अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र में स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम छात्रों के लिए सबसे उपयोगी पाठ्यक्रमों में से एक है। इसके जरिए उन्हें तात्कालिक समय में देश और विश्व अर्थव्यवस्था के विभिन्न सामाजिक-आर्थिक समस्याओं की समझ को समृद्ध करने और विचारशीलता का विकास करने का अवसर मिलता है। छात्रों को आर्थिक सिद्धांतों और मॉडल्स में सम्पूर्ण योग्यता प्राप्त होती है, जिसमें माइक्रोइकोनॉमिक्स, मैक्रोइकोनॉमिक्स, क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स, सार्वजनिक इकोनॉमिक्स, राजनीतिक अर्थशास्त्र और आर्थिक इतिहास शामिल होते हैं। इससे छात्र शैक्षणिक और पेशेवर दोनों में सफल होने के लिए सक्षम बनते हैं। जिज्ञासु छात्रों को समय-समय पर विभाग द्वारा आयोजित वर्कशॉप, सेमिनार और फ़ील्ड विज़िट्स में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

- डॉ. बीर सिंह

संकाय सदस्य

1	प्रो. शालिनी सक्सेना	प्रोफ़ेसर	ssaksena@dcac.du.ac.in
2	डॉ. मीरा मल्हान	सहायक प्रोफ़ेसर	mmalhan@dcac.du.ac.in
3	सुश्री रश्मि शर्मा	सहायक प्रोफ़ेसर	rsharma1@dcac.du.ac.in
4	सुश्री अर्चना जैन	सहायक प्रोफ़ेसर	archana.jain@dcac.du.ac.in
5	डॉ. बीर सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	birsingh@dcac.du.ac.in
6	डॉ. दीप्ति तनेजा	सहायक प्रोफ़ेसर	dtaneja@dcac.du.ac.in
7	डॉ. निधि पांडे अग्रवाल	सहायक प्रोफ़ेसर	nidhi.pande@dcac.du.ac.in
8	डॉ. अरुण कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	arun.kumar@dcac.du.ac.in
9	डॉ. तनु	सहायक प्रोफ़ेसर	tanu@dcac.du.ac.in
10	श्री आयुष अग्रवाल	सहायक प्रोफ़ेसर	ayush.agarwal@dcac.du.ac.in
11	डॉ. श्रुति	सहायक प्रोफ़ेसर	shruti@dcac.du.ac.in
12	सुश्री आकांक्षा अग्रवाल	सहायक प्रोफ़ेसर	akanksha.aggarwal@dcac.du.ac.in
13	श्री शाहिद ज़फ़र	सहायक प्रोफ़ेसर	shahid.zafar@dcac.du.ac.in

अंग्रेज़ी विभाग

इंग्लिश का पाठ्यक्रम छात्रों को विभिन्न साहित्यिक पाठों से अवगत कराता है: प्रारंभ में शास्त्रीय भारतीय और ग्रीक साहित्य संस्कृतियों में मजबूत नींव बनाने से शुरू करके, छात्र गंभीरतापूर्वक मध्ययुगीन, नवसृजन, विक्टोरियन और आधुनिक साहित्य का व्यापक अध्ययन करते हैं। प्रबुद्धता के युग और रोमांटिकता के युग के प्रमुख लेखक का भी अध्ययन किया जाता है। यह पाठ्यक्रम सिर्फ अंग्रेजी में लिखी साहित्यिक रचनाओं तक सीमित नहीं होता है, बल्कि इसमें ग्रीक और संस्कृत में लिखी गई मूल रचनाओं से लेकर आधुनिक यूरोपीय और भारतीय भाषाओं में किए गए विविध लेखन का भी समावेश होता है। भाषाओं में विभिन्नता, साहित्यिक आंदोलनों और ऐतिहासिक परिवर्तन अध्ययन का अविभाज्य हिस्सा है। छात्र विभिन्न सांस्कृतिक और बहुअनुशासनीय परिप्रेक्ष्यों से पाठों का अध्ययन करने की महत्ता सीखते हैं। हमारी अंग्रेजी फैकल्टी उच्च योग्यता वाली है और शिक्षण में उत्कृष्टता के लिए जानी जाती है। अध्ययन के दौरान छात्र लिखित और मौखिक संचार में दक्षता हासिल करते हैं। विश्लेषणात्मक कौशल और आलोचनात्मक सोच विकसित कर, अपने विचारों का समर्थन करने के लिए संवाद करने और विकसित करने की क्षमता हासिल करते हैं। अर्जित किए गए विभिन्न कौशल व्यवसायिक उद्यमों के लिए उन्हें समर्थ बनाते हैं। ऑनर्स डिग्री के साथ स्नातक होने के बाद, छात्रों के पास रचनात्मक और पेशेवर लेखन, संपादन, पत्रकारिता, विज्ञापन, सोशल मीडिया, सार्वजनिक संबंध, कॉपीराइटिंग और प्रकाशन में करियर चुनने का विकल्प होता है। किसी अन्य भाषा में दक्षता प्राप्त करने वाले छात्र अनुवादक भी बन सकते हैं, कुछ छात्र B.Ed या एक भाषा शिक्षण प्रमाणन पाठ्यक्रम करने के बाद शिक्षण में जा सकते हैं। रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने और बौद्धिक कौशल को बढ़ाने के लिए, विभाग समय-समय पर सेमिनार ,वार्ता, कार्यशालाए और फिल्म स्क्रीनिंग कराता रहता है। विभाग के छात्र अपने रचनात्मक आग्रह को अभिव्यक्ति देने के लिए द कैनल समाचार पत्र भी निकालते हैं।

विभाग अन्य पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों और बीए. (कार्यक्रम) को अंग्रेजी पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। छात्र जो अंग्रेजी अनुशासन (डीएससी) और अंग्रेजी जेनेरिक इलेक्टिव(जीई) का चयन करते हैं, वह अंग्रेजी ऑनर्स छात्रों के समान कौशल प्राप्त करते हैं। बीए (कार्यक्रम)और बीकॉम (कार्यक्रम) के छात्रों को ऐसे पाठ्यक्रमों की पेशकश की जाती है जिनका उद्देश्य विभिन्न प्रकार के कार्यों के प्रदर्शन के माध्यम से उनके संचार कौशल का निर्माण करना है, जो उन्हें उपयुक्त नौकरी खोजने में सक्षम बनाता है।

सभी विषयों में छात्रों को निम्नलिखित पसंद-आधारित पाठ्यक्रम पेश किए जाते हैं - जेनेरिक इलेक्टिव। (GE) और स्किल एंहासमेंट कोर्स (SEC).

-श्री जेरेमिया पामे

संकाय सदस्य

1	प्रो. स्मिता बनर्जी	प्रोफ़ेसर	smita.banerjee@dcac.du.ac.in
2	डॉ. विनिता जी. चतुर्वेदी	सहायक प्रोफ़ेसर	vgchaturvedi@dcac.du.ac.in
3	सुश्री रेणु सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	rsingh@dcac.du.ac.in
4	श्री जेरेमियाह पेम	सहायक प्रोफ़ेसर	jpame@dcac.du.ac.in
5	डॉ. संतोष भारती	सहायक प्रोफ़ेसर	santosh.bharti@dcac.du.ac.in
6	श्री अमित कुमार यादव	सहायक प्रोफ़ेसर	amit.yadav@dcac.du.ac.in
7	डॉ. नीलम यादव	सहायक प्रोफ़ेसर	neelam.yadav@dcac.du.ac.in
8	डॉ. ज्योत्सना पाठक	सहायक प्रोफ़ेसर	jyotsna.pathak@dcac.du.ac.in
9	डॉ. अनिमेश महापात्रा	सहायक प्रोफ़ेसर	animesh.mohapatra@dcac.du.ac.in
10	डॉ. शिल्पा चौधरी	सहायक प्रोफ़ेसर	shilpa.chowdhary@dcac.du.ac.in
11	डॉ. ऋत्विका सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	rittvika.singh@dcac.du.ac.in
12	डॉ. एनामी चोपड़ा	सहायक प्रोफ़ेसर	enami.chopra@dcac.du.ac.in
13	सुश्री अदिति नगर	सहायक प्रोफ़ेसर	aditi.nagar@dcac.du.ac.in
14	श्री कमल	सहायक प्रोफ़ेसर	kamal@dcac.du.ac.in

पर्यावरण अध्ययन विभाग

पर्यावरण अध्ययन विभाग का उद्देश्य छात्रों को स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक विभिन्न आयामों पर पर्यावरणीय मुद्दों का समाधान करने और एक स्थायी भविष्य निर्माण के लिए आवश्यक ज्ञान और प्रायोगिक योग्यताएं प्रदान करना है। विभाग की स्थापना 2022 में हुई थी ताकि संसाधन सुरक्षा, संसाधन संरक्षण, स्वच्छ और हरियाली तकनीक की प्रगति, और पर्यावरणीय नेतृत्व के क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन को प्रभावित करने के लिए उत्साहवान पेशेवरों को प्रोत्साहित किया जा सके। वर्तमान में विभाग में दो उच्च योग्यता वाले और प्रेरित युवा फैकल्टी सदस्य हैं, जो पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति बड़े उत्साह और समर्पण से काम करते हैं। शैक्षणिकता के अलावा, विभाग छात्रों के लिए पर्यावरणीय विषयों पर कैंपस और उसके आस-पास के पहलुओं पर भी ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें विविधता, कचरा प्रबंधन, ऊर्जा कुशलता और जल संरक्षण का विशेष जोर है। छात्र विभाग में चल रहे व्यक्तिगत और समूह परियोजनाओं का हिस्सा बनने का अवसर भी मिलता है जिससे उनके कौशल और ज्ञान में सुधार होता है। विभाग छात्रों के साथ कैंपस के चारों ओर पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी करता है।

विभाग छात्रों के लिए अन्तर्विषयविद्यालयीन शैक्षणिक प्रशिक्षण का संरक्षण करता है, पर्यावरण और स्थायित्व संबंधी इच्छाएं रखने वाले छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करता है। पर्यावरण अध्ययन से यहां पर रोज़गार विकल्प शामिल होते हैं, जैसे पर्यावरण पत्रकार, पर्यावरण विशेषज्ञ, पर्यावरण विज्ञानी, स्थायीत्व सलाहकार, कचरा प्रबंधन अधिकारी, पर्यावरण कानूनविद, जल गुणवत्ता वैज्ञानिक, और वन्यजीव विशेषज्ञ।

- डॉ. राहुल भदौरिया

संकाय सदस्य

1	डॉ. राहुल भदौरिया	सहायक प्रोफ़ेसर	rahul.bhadouria@dcac.du.ac.in
2	डॉ. प्यारी मोहन महाराणा	सहायक प्रोफ़ेसर	pyarimohan.maharana@dcac.du.ac.in

जर्मन विभाग

जर्मन भाषा में स्नातक स्तर का एक पाठ्यक्रम तैयार किया गया है जिससे छात्रों को जर्मन भाषा में संचार कौशल विकसित करने और जर्मन भाषा बोले जाने वाले क्षेत्रों की सामाजिक अभ्यास, संस्कृति और इतिहास का एक अच्छा ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा होती है। कॉलेज पुस्तकालय में पाठ्यपुस्तकों और मल्टीमीडिया उपकरणों का एक समृद्ध संग्रह है जो शिक्षा प्रक्रिया में मदद करता है। छठे सेमेस्टर के अंत तक, छात्र मास्टर डिग्री कार्यक्रम में प्रवेश परीक्षा के लिए पर्याप्त योग्य होते हैं या अपने ज्ञान का पेशेवर उद्देश्यों के लिए उपयोग कर सकते हैं।

-सुश्री रेणु शर्मा

संकाय सदस्य

सुश्री रेणु शर्मा	सहायक प्रोफ़ेसर	rsharma@dcac.du.ac.in

हिंदी विभाग

भाषाएं जानना हमारे विकास के लिए महत्वपूर्ण है। अपनी भाषा और साहित्य का गहन और व्यापक ज्ञान हमारी जड़ों को मजबूत करता है। मजबूत जड़ें ही वृद्धि करने वाले पौधे को स्वस्थ और मजबूत वृक्ष बना सकती हैं। इसलिए अपनी भाषा और साहित्य को जानना, सीखना और समझना वास्तव में महत्वपूर्ण है। निम्नलिखित विषय आधारित पाठ्यक्रम छात्रों को प्रदान किए जाते हैं: जेनेरिक इलेक्टिव (जीई) और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (एसईसी)।

कॉलेज बीए (प्रोग्राम) में निम्नलिखित हिंदी पाठ्यक्रम प्रदान करता है:
(अ) इतिहास के साथ हिंदी
(ब) राजनीति विज्ञान के साथ हिंदी
(सी) शारीरिक शिक्षा के साथ हिंदी

- प्रो. सुजीत कुमार

संकाय सदस्य

1	प्रो. के.एल. ढींगरा	प्रोफ़ेसर	kldhingra@dcac.du.ac.in
2	प्रो. सुजीत कुमार	प्रोफ़ेसर	skumar1@dcac.du.ac.in
3	प्रो. डी.ए.पी. शर्मा	प्रोफ़ेसर	dapsharma@dcac.du.ac.in
4	डॉ. संजीब कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	sanjeeb.kumar@dcac.du.ac.in
5	डॉ. पूरण चंद	सहायक प्रोफ़ेसर	puran.chand@dcac.du.ac.in
6	डॉ. रश्मि रावत	सहायक प्रोफ़ेसर	rashmi.rawat@dcac.du.ac.in
7	डॉ. अमिता	सहायक प्रोफ़ेसर	amita@dcac.du.ac.in
8	डॉ. पूनम रानी	सहायक प्रोफ़ेसर	poonam@dcac.du.ac.in

इतिहास विभाग

इतिहास सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र का एक विषय है और आमतौर पर इसे अतीत का रिकॉर्ड तथा राजनीतिक और सामाजिक संरचनाओं, हमारे विचार, धारणाएँ और विश्वासों के उत्थान का अध्ययन समझा जाता है। इतिहास के छात्र को इन उत्पत्तियों और ऐतिहासिक प्रासंगिक विवादों को समझने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। विभाग छात्रों को शोध करने के लिए प्रोत्साहित और प्रशिक्षित करता है। विभिन्न शिक्षण पद्धतियां विषयों को प्रासंगिक और रोचक बनाने के लिए अपनाई जाती हैं। ऐतिहासिक स्थलों और संग्रहालयों की यात्राएँ नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। विभाग नियमित रूप से फिल्मों की स्क्रीनिंग भी आयोजित करता है। विभाग के छात्रों को प्रमुख इतिहासकारों और संबंधित क्षेत्रों के विशिष्ट विद्वानों के व्याख्यानों से भी अवगत कराया जाता है। छात्रों को कार्यशालाओं और पेपर प्रस्तुतियों का आयोजन करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। विभाग एक नवंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रमों और वार्षिक उत्सव धरोहर का भी आयोजन करता है। हमारे छात्र भी एक ई-समाचार पत्रिका इतिहासा का आयोजन करते हैं। एक इतिहास स्नातक छात्र शिक्षा और शोध, कानून, पत्रकारिता, सिविल और संबद्ध सेवाएं, पुरातत्व और संग्रहालय में करियर, कला इतिहास, पर्यटन और गैर-लाभ विभाग में काम करने जैसे कई करियर विकल्पों में योगदान कर सकता है।

-सुश्री नीरू ऐलावादी

संकाय सदस्य

1	प्रो. अमृत कौर बसरा	प्रोफ़ेसर	akbasra@dcac.du.ac.in
2	प्रो. ओ.पी. सिंह	प्रोफ़ेसर	opsingh@dcac.du.ac.in
3	प्रो. विवेक मोहन	प्रोफ़ेसर	vivek.mohan@dcac.du.ac.in
4	डॉ. अनिल चौहान	सहायक प्रोफ़ेसर	achauhan@dcac.du.ac.in
5	सुश्री सुधा शर्मा	सहायक प्रोफ़ेसर	sudha.sharma@dcac.du.ac.in
6	सुश्री नीरू ऐलावादी	सहायक प्रोफ़ेसर	nailawadi@dcac.du.ac.in
7	डॉ. के. सुरेश कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	skumar@dcac.du.ac.in
8	श्री अवधेश कुमार साह	सहायक प्रोफ़ेसर	awadhesh.sah@dcac.du.ac.in
9	सुश्री प्रेरणा गौतम	सहायक प्रोफ़ेसर	prerna.gautam@dcac.du.ac.in
10	श्री लखन लाल मीणा	सहायक प्रोफ़ेसर	lakhan.lal.meena@dcac.du.ac.in
11	सुश्री सारिका सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	sarikasingh005@rediffmail.com

पत्रकारिता विभाग

पत्रकारिता विभाग समसामयिक और मीडिया उद्योग प्रासंगिक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि उत्कृष्टता और ज्ञान के लक्ष्यों के साथ हमारे छात्रों को मीडिया उद्योग और शिक्षा के बीच एक इंटरफेस मिले। प्रतिष्ठित मीडिया हस्तियों और प्रसिद्ध पत्रकारों की समृद्ध सलाह विभाग की एक नियमित विशेषता है जो हमारे छात्रों के ज्ञान को और धार देती है । पत्रकारिता, जो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है, सृजनात्मक रूप से नागरिकता को समझाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मीडिया संस्थानों के उदय और संबंधित सांस्कृतिक परिवर्तनों ने हमें मीडिया संस्थानों के परिवर्तनात्मक प्रभाव को दिखाया है। इसका अर्थ है कि भविष्य के पत्रकारों और मीडिया प्रशासकों को केवल व्यावसायिकता के तकनीकी पहलुओं में प्रशिक्षित करना काफ़ी नहीं है, बल्कि वे पत्रकारिता की नैतिकता के साथ साथ सम्बंधित राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक संदर्भों के प्रति भी संवेदनशील हों। हमारी फैकल्टी छात्रों को समकालीन मुद्दों पर एक सूक्ष्म और समग्र दृष्टिकोन विकसित करने के लिए प्रशिक्षित करती है और पत्रकारिता प्रशासन में नैतिक मुद्दों पर संवेदनशील बनाती है। जिसमें विचारशीलता और क्रटिकल सोच की क्षमता के रूप में छात्रों को प्रशिक्षित किया जाता है। प्रकाशन विज्ञापन, डिजिटल मार्केटिंग और सार्वजनिक संबंध के क्षेत्र में नवीनतम चर्चाओं के लिए आमंत्रित करने से हमारे छात्र पेशेवरों के रूप में तैयार होते हैं। नई मीडिया तकनीकों के आगमन के साथ आए नवीन तकनीक और कौशल की समझ की समझ सार्वजनिक क्षेत्र के नये प्लेटफ़ॉर्मों में संभावनाओं की वृद्धि करती है। वे संबंधित और सांस्कृतिक अध्ययन से उत्पन्न सैद्धांतिक और दार्शनिक मुद्दों के साथ संलग्न होते हैं और निबंध और टर्म पेपर के रूप में उन पर विचार करते हैं। छात्र पत्रकारिता, विज्ञापन, सार्वजनिक संबंध, डॉक्यूमेंट्री फिल्ममेकिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग और अकादमिक शोध के विभिन्न क्षेत्रों में लगे हैं। उन्होंने अकादमिक छायाचित्रकारी का उत्पादन किया है, जिसमें उनके फील्ड कार्य के अंतर्गत अन्वेषणों से प्राप्त जानकारी शामिल है, जो समकालीन मीडिया और पत्रकारिता की चुनौतियों के बारे में है। ये सभी किसी भी क्षेत्र में प्रभावी संचारक के रूप में उन्हें आकार देने के लिए योगदान करते हैं। विभाग गर्व करता है अपने पुराने छात्रों पर, जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण सरकारी पद पर हैं। हमारे अनुभवी और पेशेवर सदस्यों ने पत्रकारिता की नैतिकता और उत्कृष्टता का आधार रखा है और हमारे छात्रों को नवाचारी गतिविधियों में प्रशिक्षित किया है। पत्रकारिता विभाग हर साल इंद्रप्रस्थ डायलॉग के आनुष्ठानिक उत्सव का आयोजन करता है और इसके अलावा विभाग के छात्रों द्वारा प्रकाशित वार्षिक समाचारपत्रिका भी आयोजित की जाती है।
हर साल हम पत्रकारों, मीडिया व्यक्तित्वों, विद्वानों और अकादमिकियों को विभाग कक्षा में समृद्ध और विविध वर्णनात्मक और विविध भाषणों में संलग्न करते हैं। विभाग के शैक्षिक परिणाम हमेशा असाधारण रहे हैं, जिसमें हमारे छात्र उच्चतम स्तर की उत्कृष्टता, कठिनाइयों को उठाने और समर्पण के लिए नए मानक स्थापित करते हैं।

- डॉ. देवेंद्र भारद्वाज

संकाय सदस्य

1	प्रो. तरजीत सभरवाल	प्रोफ़ेसर	tsabharwal@dcac.du.ac.in
2	डॉ. आकृति कोहली	सहायक प्रोफ़ेसर	aakriti.kohli@dcac.du.ac.in
3	डॉ. नेहा जिंगला	सहायक प्रोफ़ेसर	neha.jingala@dcac.du.ac.in
4	डॉ. अमरेंद्र कुमार आर्य	सहायक प्रोफ़ेसर	amarendra.aarya@dcac.du.ac.in
5	डॉ. देवेंद्र भारद्वाज	सहायक प्रोफ़ेसर	devender.bhardwaj@dcac.du.ac.in
6	डॉ. पल्लव पाठक	सहायक प्रोफ़ेसर	pallav.pathak@dcac.du.ac.in

गणित विभाग

गणित एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है जो कंप्यूटर विज्ञान, डेटा विज्ञान, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, प्रबंधन और समकक्ष संबद्ध क्षेत्रों में विभिन्न अनुप्रयोगों को संभव बनाता है। बीए प्रोग्राम (गणित) और बीए प्रोग्राम (ऑपरेशन रिसर्च) अभियांत्रिकी, बीजगणित, विश्लेषण, सांख्यिकी, रैखिक प्रोग्रामिंग, खेल सिद्धांत, आदि के विभिन्न क्षेत्रों के महत्वपूर्ण तकनीकों का अध्ययन करने के लिए छात्र को प्रशिक्षित करते हैं। इसके अलावा, छात्र सीएएस, टीओआर और लेटेक्स जैसे सॉफ़्टवेयर भी सीखते हैं जिनका व्यापक उपयोग होता है। इस तरह, छात्र तर्कशक्ति और समस्या का समाधान करने की अपरिहार्य दक्षता विकसित करते हैं जो उनके करियर अवसरों के लिए उपयोगी साबित होते हैं। यह डिग्री विभिन्न विषयों में उच्चतर अध्ययन के लिए एक मजबूत आधार भी प्रदान करती है, साथ ही छात्रों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी मदद करती है। इस रूप में पाठ्यक्रम छात्रों को जीवन में विभिन्न अवसरों की तैयारी करने में मदद करते हैं और साथ ही जीवन भर के लिए उन्हें विश्लेषण और तर्कशक्ति के कौशल प्रदान करते हैं।

- प्रो. अनुराधा गुप्ता

संकाय सदस्य

1	प्रो. अनुराधा गुप्ता	प्रोफ़ेसर	agupta@dcac.du.ac.in
2	डॉ. इंदर पाल सिंह	सहायक प्रोफ़ेसर	indarpal.singh@dcac.du.ac.in
3	श्री सुमित	सहायक प्रोफ़ेसर	sumit@dcac.du.ac.in

शारीरिक शिक्षा विभाग

डीसीएसी में खेल-कूद गतिविधियाँ सिर्फ एक शौक नहीं हैं, वे जीवन का एक तरीका हैं! कॉलेज खेल की शक्ति में विश्वास करता है जो व्यक्ति में अनुशासन, टीमवर्क, नेतृत्व और सहनशीलता जैसे गुणों को बढ़ाने में सक्षम बनाती है, साथ ही एक स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली को प्रोत्साहित करती है। हमारी सुविधाएँ, विशेषज्ञ प्रशिक्षक, और विभिन्न खेल विकल्प आपके इंतजार में हैं। हमारे कॉलेज में एथलेटिक्स, बेसबॉल, बास्केटबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, जूडो, शूटिंग, ताकवांदो, वॉलीबॉल टीमें हैं। विभिन्न खेल कार्यक्रम और टूर्नामेंट आपको अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने और स्थायी यादें बनाने के अवसर प्रदान करते हैं।

- डॉ. मनोज राठी

संकाय सदस्य

डॉ. मनोज राठी	सहायक प्रोफ़ेसर	manoj.rathi@dcac.du.ac.in

राजनीति विज्ञान विभाग

राजनीति विज्ञान विभाग अनुभवी और युवा शिक्षकों का समूह है जो शिक्षा के प्रति प्रतिबद्ध हैं। इसलिए विभाग का दृष्टिकोण हमेशा यह रहा है कि युवा मानस को बेहतर रूप से राजनीतिक विचार के विभिन्न मोड़ों को समझने में सक्षम बनाया जाए। इस तरह, वे राजनीतिक जीवन या देश और विश्व के सामूहिक मामलों की आवश्यकताओं का सम्मान कर सकते हैं और इसे प्रश्नांकित कर सकते हैं। छात्रों को तात्कालिक और स्वतंत्र रूप से सोचने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, जो बेशक, दूसरों के प्रति सहिष्णुता और राष्ट्र के प्रति चिंता के साथ किया जाता है, जो बेसंदेह उन्हें सक्रिय और ज़िम्मेदार नागरिक बनाता है। वास्तव में, विभाग के छात्र एक समाचार पत्रिका "कॉन्सिएंसिया" प्रकाशित करते हैं, जिसमें राजनीतिक जीवन के निर्धारित विषयों पर लेख, पुस्तक समीक्षा, फिल्म समीक्षा, कविता, व्यंग्यात्मक चित्रकारी और तस्वीरें शामिल होती हैं, जो एक तरीके से विभाग द्वारा दिए जाने वाली शैक्षणिक प्रशिक्षण के उदाहरण हैं। विभाग द्वारा वार्षिक रूप से "डिसेंसियो" पाठ्येतर गतिविधियों का एक वार्षिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है। बिना कहे समझा जा सकता है कि राजनीति विज्ञान सिविल सेवाओं के लिए- केंद्रीय और राज्य दोनों, और बढ़ती हुई निजी और गैर-लाभदायक संगठनों में विभिन्न करियर के लिए सबसे अधिक चाहे जाने वाले विषयों में से एक है। विषय के रूप में यह छात्रों को स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षण, शोध, अंतरराष्ट्रीय शासन, मास मीडिया, प्रबंधन आदि में करियर चुनने की योग्यता भी देता है।

- सुश्री नलिनी गोयल

संकाय सदस्य

1	प्रो. एस.के. पांडेय	प्रोफ़ेसर	spandey@dcac.du.ac.in
2	सुश्री नलिनी गोयल	सहायक प्रोफ़ेसर	nalini.goyal@dcac.du.ac.in
3	डॉ. राजेश कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	rkumar@dcac.du.ac.in
4	डॉ. मुकेश बागोरिया	सहायक प्रोफ़ेसर	mbagoria@dcac.du.ac.in
5	डॉ. टी. गोपाल कृष्णा यादव	सहायक प्रोफ़ेसर	tgkrishna.yadab@dcac.du.ac.in
6	श्री कृष्ण चिचूआन	सहायक प्रोफ़ेसर	krushna.chichuan@dcac.du.ac.in
7	श्री सुधांशु कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	shudhanshu.kumar@dcac.du.ac.in
8	श्री विजय कुमार	सहायक प्रोफ़ेसर	vijay.kumar@dcac.du.ac.in
9	डॉ. शशि कांत	सहायक प्रोफ़ेसर	shashikant@dcac.du.ac.in
10	सुश्री आशना मोंगा	सहायक प्रोफ़ेसर	ashna.monga@dcac.du.ac.in
11	डॉ. कंचन शर्मा	सहायक प्रोफ़ेसर	kanchan.sharma@dcac.du.ac.in
12	श्री शशांक तिवारी	सहायक प्रोफ़ेसर	shashank.tiwari@dcac.du.ac.in
13	डॉ. सुधीर कुमार परिदा	सहायक प्रोफ़ेसर	sudhir.parida@dcac.du.ac.in

स्पेनिश विभाग

स्पेनिश 20 देशों की आधिकारिक भाषा है और संयुक्त राज्य अमेरिका की दूसरी भाषा है। यह संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषाओं में से एक भी है। इतने व्यापक रूप से बोली जाने के कारण, स्पेनिश के ज्ञान से नौकरी के अवसर मिलते हैं और यह किसी भी पेशे में एक अतिरिक्त लाभ है। स्पेनिश में बैचलर डिग्री कोर्स में शामिल होने वाले छात्र नवीनतम स्तर से शुरू करते हैं, जहां भाषा के किसी भी पूर्व ज्ञान की आवश्यकता नहीं होती है और सरल साहित्यिक ग्रंथों और अनुवाद के अध्ययन के साथ साथ उन्नत स्तर पर व्याकरण का अध्ययन किया जाता है। उन्हें भी विभिन्न स्पेनिश भाषी देशों की संस्कृति का ज्ञान होता है। साथ ही, छात्र बिजनेस स्पेनिश, पर्यटन आदि जैसे वैकल्पिक पेपर्स को भी चुन सकते हैं। बैचलर डिग्री के पूरा होने के बाद, वे विषय में एमए डिग्री कोर्स के एंट्रेंस परीक्षाओं के लिए पात्र होते हैं या वे अपने ज्ञान का पेशेवर उपयोग कर सकते हैं।

- सुश्री नीरज सक्सेना

संकाय सदस्य

सुश्री नीरज सक्सेना	सहायक प्रोफ़ेसर	nsaxena@dcac.du.ac.in

पुस्तकालय

कॉलेज का पुस्तकालय विद्यार्थियों और शिक्षकों दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षिक संसाधन है। कॉलेज का पुस्तकालय के पास लगभग 61,819 पुस्तकें, 23 पत्रिकाएँ और 13 समाचार पत्रिकाएँ हैं। इसके अलावा, यह डीयूएलएस और एन-लिस्ट सदस्यता के माध्यम से ई-संसाधन सेवाओं का उपयोग करके दूरस्थ ज्ञान प्रदान करता है। पुस्तकालय पूर्ण एयर कंडीशन वाली, आईटी सक्षम और सीसीटीवी निगरानी के तहत है। इसमें शिक्षकों और छात्रों के लिए अलग-अलग रीडिंग रूम भी हैं। पुस्तकालय के होमपेज पर पुस्तकालय नियम, सेवाएं, कर्मचारियों, समय, वेब ओपैक, आदि की जानकारी प्रदान की जाती है। पुस्तकालय पूर्ण स्वचालित है, जिसमें वेब-ओपैक सुविधाएँ वाले खुला स्रोत सम्मिलित सॉफ्टवेयर कोहा का उपयोग किया जाता है। इसमें एआरआईडीएफ (रेडियो फ्रिक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन) प्रौद्योगिकी का भी उपयोग किया जाता है, जिससे पुस्तकालय प्रबंधन को सरल बनाया जा सकता है। यह एआरआईडीएफ सक्षम पुस्तकालय कार्ड, त्वरित और सरल पुस्तक प्राप्ति और वापसी के लिए खुद सेवा डेस्क, और प्रत्येक पुस्तक लेन-देन के लिए ईमेल अधिसूचनाएँ प्रदान करता है। पुस्तकालय ने डिजिटल प्रवेश पाठक पठन प्रणाली और डी-स्पेस (डिजिटल रिपॉजिटरी सॉफ्टवेयर) को भी लागू किया है।

- सुश्री पूनम रानी

सुश्री पूनम रानी	लाइब्रेरियन	librarian@dcac.du.ac.in

कॉलेज की समितियां

एससी / एसटी सेल
प्रो. बिजया ठाकुर
मोबाइल- 9540024039
(bthakur@dcac.du.ac.in)

ओबीसी सेल
श्री अमित यादव
मोबाइल-7042116224
(amit.yadav@dcac.du.ac.in)

उत्तर पूर्व छात्र प्रकोष्ठ
श्री जेरेमिया पामे – संयोजक
मोबाइल- 9953029135
(jpame@dcac.du.ac.in)

प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना (जम्मू और कश्मीर के छात्र)
डॉ. कृष्ण लाल ढींगरा - नोडल अधिकारी
मोबाइल-7838662150
(kldingra@dcac.du.ac.in)

समान अवसर प्रकोष्ठ (ईओसी)
डॉ. के. सुरेश – संयोजक
मोबाइल-9818157350
(skumar@dcac.du.ac.in)

एनसीसी
लेफ्टिनेंट भूपिंदर – प्रभारी
(bsjaryal@dcac.du.ac.in)

एनएसएस
डॉ. ज्योत्सना पाठक- प्रोग्राम अधिकारी
(jyotsna.pathak@dcac.du.ac.in)

आंतरिक शिकायत समिति
प्रो. बिजया ठाकुर - पीठासीन अधिकारी
(bthakur@dcac.du.ac.in)

शैक्षणिक सुधार समिति
प्रो. राजीव चोपड़ा – चेयरमेन
(principaldcac@gmail.com)

डीसीएसी में परामर्श सुविधा

कॉलेज में मंगलवार और गुरुवार को व्यक्तिगत रूप से सुबह 10 बजे से 11 बजे के बीच कक्ष 6 में परामर्श के लिए एक परामर्शदाता भी उपलब्ध है।
सुश्री ज्योत्सना मितल
मोबाइल: 9717009272
ईमेल: jomital@yahoo.com

छात्रों की सोसायटियाँ/ उपलब्धियाँ

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

डीसीएसी की एनएसएस इकाई, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के अधीन स्थापित है। एनएसएस का मोटो "मैं नहीं, बल्कि आप" सभी समुदाय-सेवा गतिविधियों का मूल आधार है। कॉलेज की एनएसएस इकाई के लगभग 100 स्वयंसेवकों ने साल भर उत्साह से कार्य किये। इसने चार मुख्य परियोजनाएं शुरू की जिनमें प्रोजेक्ट तंजील, क्लीन और ग्रीन, कला और क्राफ्ट्स और संवेदीकरण (सेन्सीटाइजेशन) शामिल थीं। साल भर भारतीय राष्ट्रीय सेवा ने महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए , जैसे कि:

- योग सप्ताह: योगाभ्यास के लाभों के बारे में दुनिया भर में जागरूकता बढ़ाने के लिए योग सप्ताह का आयोजन किया गया। विश्व ओलंपिक दिवस, एलजीबीटीक्यूआई+ (लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल, ट्रांसजेंडर, क्वियर, इंटरसेक्स, एसेक्सुअल) के अधिकारों और जागरूकता के लिए सोशल मीडिया हैंडल के द्वारा प्राइड माह का आयोजन किया गया ।

- वन महोत्सव: हर नागरिक को एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। एवं कारगिल विजय दिवस का आयोजन किया गया ।

- विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस: पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित रखने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए मनाया गया।

- 76वें स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ को मनाने के लिए सप्ताह भर (9 से 15 अगस्त) में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए , जिसमें तिरंगा रैली, ड्रॉइंग और शॉर्ट वीडियो बनाने की प्रतियोगिता शामिल थी। भारतीय राष्ट्रीय खेल दिवस, अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस, स्वच्छ भारत अभियान, राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस, गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती, सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती, सशस्त्र सेना झंडा दिवस, सावित्रीबाई फुले जयंती, विश्व ब्रेल दिवस, स्वामी विवेकानंद की जयंती, सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती, गणतंत्र दिवस सहित कई अन्य महत्वपूर्ण समारोह मनाए गए

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)

एनसीसी ने कॉलेज में कई कार्यक्रम आयोजित किए। संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी) 17 जून से 27 जून 2022 तक आयोजित किया गया था जिसमें 19 कैडेट्स ने हिस्सा लिया। हर वर्ष आयोजित किए जाने वाले इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य क कैडेट्स के व्यक्तित्व का विकास होता है यह सभी कैडेट्स के लिए एक अनिवार्य कैंप होता है जिसमें विभिन्न गतिविधियां जैसे- ड्रिल, शूटिंग, मानचित्र पढ़ना, हथियार प्रशिक्षण, प्राथमिक चिकित्सा, आदेश देने आदि शामिल होते हैं। निम्नलिखित कैडेटों ने कॉलेज का नाम रोशन किया:

- एक्स-सीएचएम सिद्धार्थ शर्मा को 28 जून 2022 को कपूरथला के 32 सर्विस सिलेक्शन बोर्ड ने भारतीय सेना में एक अधिकारी बनने के लिए सिफारिश की।
- एक्स-जूओ अखिलेश गोस्वामी को 12 नवंबर 2022 को देहरादून के 1 एयर फोर्स सिलेक्शन बोर्ड ने भारतीय वायुसेना में एक ग्राउंड ड्यूटी अधिकारी बनने के लिए सिफारिश की।
- सुओ तन्मय मित्तल को 31 जनवरी 2023 को भोपाल के 22 सर्विस सिलेक्शन बोर्ड ने भारतीय सेना में एक अधिकारी बनने के लिए सिफारिश की।
- सीडीटी रोहित रोशन को वर्ष 2022 में सीमा सुरक्षा बल में जनरल ड्यूटी सोल्ज़र के रूप में चयन किया गया।

नॉर्थईस्ट स्टूडेंट्स सेल

नॉर्थईस्ट स्टूडेंट्स सेल दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स और कॉमर्स (डीसीएसी) के उत्तरपूर्व भारत के छात्रों द्वारा किसी भी प्रकार की शिकायत का समाधान करता है। और डीसीएसी में अन्य भारत के क्षेत्रों से पढ़ने वाले छात्रों के बीच समझौते की भावना को संभावित बनाता है। यह अन्य छात्रों को उत्तरपूर्व के बारे में ज्ञान / सूचना प्रदान करता है जो उत्तरपूर्व पर शोध या परियोजनाओं पर रुचि रखते हैं। इसमें नियमित रूप से गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, जो उत्तरपूर्व के छात्रों और प्रिंसिपल के बीच संवाद, उत्तरपूर्व से और भारत के अन्य क्षेत्रों से छात्रों के बीच संवाद को संभावित बनाते हैं, और उन छात्रों को परामर्श प्रदान करता है जो सांस्कृतिक अंतर को संभालने में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

मानसिक स्वास्थ्य समिति

मार्च 29, 2023 को स्वस्थ मानसिकता समिति ने लिवर और पित्तशय विज्ञान संस्थान के सहयोग से उनके "SMiLES परियोजना" (एक करोड़ स्वस्थ शिक्षित छात्रों के माध्यम से मज़बूत भारत) के तहत एक स्वास्थ्य जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। डॉ. पूर्णिमा सिंह, परियोजना अधिकारी, SMiLES, ने सत्र की अध्यक्षता की और उनकी टीम ने छात्रों और संस्था के कर्मचारियों में प्रारंभिक इंटरवेंशन और प्राथमिक रोकथाम के महत्व को लेकर जागरूकता पैदा की और हमें हृदयरोग, मधुमेह, स्ट्रोक और पित्त नाली रोगों के खतरे के बारे में शिक्षित किया।

एनैक्टस डीसीएसी [ENACTUS DCAC]

एनैक्टस डीसीएसी ने सामाजिक उद्यमिता की शक्ति के माध्यम से सामाजिक उद्यमिता की शक्ति के माध्यम से हाशिए पर रहने वाले समुदायों के उत्थान के मूल दर्शन पर खरा उतरते हुए एनैक्टस डीसीएसी ने प्रोजेक्ट जरा त पर काम किया और सामाजिक रूप से उत्पादक गतिविधियों में हिस्सा लिय।

- हमने अपने सस्टेनेबल व्यवसाय मॉडल द्वारा कृषक समुदायों के उत्थान के उद्देश्य से दिल्ली हरियाणा और उत्तर प्रदेश राज्य में अपने कृषक समुदायों के लिए 6 भंडारण समाधान स्थापित किए हैं।
- हमने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान और मिशिगन स्टेट विश्वविद्यालय के कृषि विभाग के साथ सहयोग किया; वे हमारे शैक्षिक साथी हैं।
- हमने एनैक्टस इंडिया नेशनल प्रतियोगिता 2022 में सेमी फाइनल स्तर तक पहुंचा। हमने ग्लोबल स्थायित्व रेसेज़ - "रेस टू फीड द प्लैनेट" और "रेस फॉर क्लाइमेट एक्शन" में हिस्सा लिया, और "रेस टू फीड द प्लैनेट" में हम शीर्ष 4 टीमों में और "रेस फॉर क्लाइमेट एक्शन" में शीर्ष 5 टीमों में शामिल हुए। इसके बदले में हमारी टीम को अमेरिका के प्यूर्टो रीको शहर में बुलाया गया, जहां हमारे कॉलेज और टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करने के लिए न्योता दिया गया। हमने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने प्रोजेक्ट का प्रस्तुतिकरण किया, जिसमें लाइव दर्शक 96 से अधिक देशों से शामिल थे।
- हमने "रेस फॉर बेटर इंडिया 2022: एसडीजी - जीरो हंगर" जीता और एक नकद इनाम जीता, जो 25,000 रुपये का था।
- हमने 'प्रतिभा: शिक्षा के माध्यम से जीवनों को बदलना' नामक पहल शुरू की, जिसमें हम नीचे उल्लिखित एनजीओ दीपालया और गूंज के सहयोग से पुस्तक दान अभियान आयोजित किये और दिल्ली के विभिन्न शिक्षा केंद्रों को ।500 से अधिक प्राथमिक स्तर की पुस्तकों का दान किया।
- हमारा लक्ष्य हमारे कृषक समुदायों में सोलर ड्रायर स्थापित करना है और अधिक बंदा भंडारण स्थापित करके और किसानों के जीवन को और भी अधिक प्रभावित करके अपनी परियोजना का विस्तार करना है हमें विभिन्न सोशल मीडिया प्रकाशनों जैसे सोशल मीडिया प्रकाशनों जैसे हिंदुस्तान टाइम कृषि जागरण द मॉर्निंग स्टैंडर्ड द लॉजिकल इंडियन आदि में कवर किया गया है हमें सिविल सेवकों और राजनीतिक हस्तियों से प्रशंसा पत्र प्राप्त हुए हैं उद्देश्य है हमारे कृषि समुदायों में की स्थापना करना और आगे बढ़कर हमारी परियोजना को और अधिक स्टोरेज स्थापित करके किसानों के जीवनों पर और अधिक प्रभाव डालना। हमने हिंदुस्तान टाइम्स, कृषि जागरण, द मॉर्निंग स्टैंडर्ड, द लॉ।

एक्टिव प्रोजेक्ट - ज़रात

- इसके 83 सदस्यों की सक्रिय टीम का उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को सस्ते, पोर्टेबल और पर्यावरण-स्नेही स्टोरेज समाधान के माध्यम से पश्चात फसल हानियों को कम करना है।
- "प्रोजेक्ट ज़रात" ने ग्लोबल रेस टू फीड द प्लैनेट में प्रथम उपाधि हासिल की और हमने अधिक विस्तारित करने और बड़ा प्रभाव बनाने के लिए $10,000 का नकद इनाम जीता।

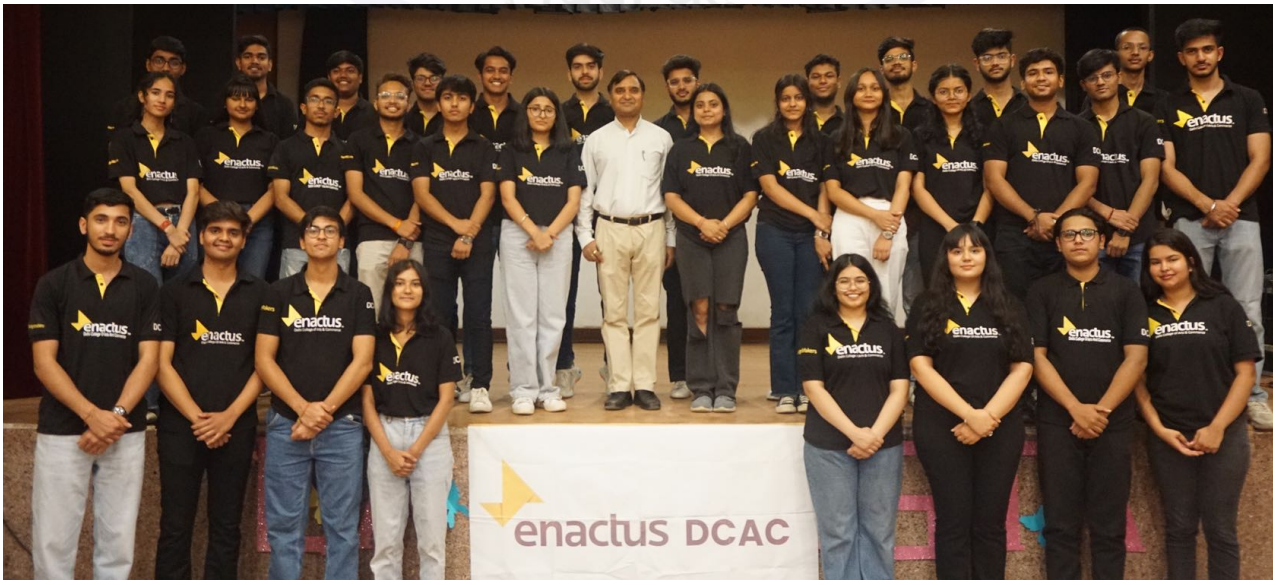

प्रकृति, डीसीएसी की पर्यावरण समिति

कॉलेज की पर्यावरण सोसायटी की स्थापना 2009 में हुई थी और तब से यह कॉलेज के छात्रों को पर्यावरण के बारे में जागरूकता पैदा करने और उन्हें इससे संबंधित मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सोसायटी इस भावना के साथ काम करती है कि "जब आप इस धरती पर आये थे, उससे बेहतर जगह छोड़ने का प्रयास करें।" इस वर्ष हमने कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जैसे फील्ड ट्रिप्स, पर्यावरणीय क्रियाकलाप, परिचय कार्यक्रम, कार्यशालाएं जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए हैं।
• डॉ. जय प्रसून द्वारा प्रोजेक्ट चीता पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा महाविद्यालय को एक प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। • 2 अक्टूबर 2022 को, प्रकृति ने टिनेब "वहाँ कोई पृथ्वी बी नहीं" के साथ सहयोग किया और करोल बाग, दिल्ली में स्थित रिज वन में स्वच्छता अभियान आयोजित किया, जहां सदस्यों ने प्लास्टिक, काँच, संश्लेषित रेशे आदि जैसे सभी प्रकार के गैर-जीविक वस्तुओं का संग्रह किया और मापा। प्रकृति के सहयोग से टिनेब के साथ किए गए कार्यों के परिणामस्वरूप 85 किलोग्राम गैर-जीविक सामग्री का संग्रह हुआ। • हमने ऑनलाइन पर्यावरण संवेदनशीलता गेमिंग प्रतियोगिता प्ले4एको का दूसरा संस्करण भी आयोजित किया। हमारे पास एक सक्रिय ट्विटर अकाउंट है जिसका उपयोग पर्यावरण से संबंधित उभरते हुए मुद्दों पर संबंधित जानकारी अपलोड करने के लिए किया जाता है।

कौशल विकास समिति

कौशल विकास समिति 17 अगस्त, 2021 को गठित की गई थी और कॉलेज के छात्रों के कौशलों के समर्थन और उन्हें बढ़ाने का काम करती है। समिति का मुख्य उद्देश्य है कठोर कौशलों और सॉफ्ट कौशलों के विकास को बढ़ावा देना और छात्रों को विभिन्न कौशलों के विकास के लिए संबोधित करना। समिति ने कार्यशालाओं, गतिविधियों, सेमिनारों, वेबिनारों, इंटरैक्टिव सत्रों और फ़ील्ड ट्रिप्स के माध्यम से निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में किया:

- 14 जुलाई, 2022 को अध्ययन समिति के छात्र सदस्यों के लिए "कौशल विकास" विषय पर एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन समिति की संयोजक डॉ. शिल्पा चौधरी ने किया।

- 15 जुलाई, 2022 को "तर्क निर्माण कला", "एसओपी लेखन कला" और "लक्षित दर्शकों के लिए आवश्यक शब्दावली का उपयोग करने की कला" विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन मिस्टर आशीष शर्मा, मिसेज नियति शर्मा और मिसेज सुनीता यादव, योग्यता विकास समिति के विभागीय सदस्य द्वारा किया गया।

- 4 अगस्त, 2022 को "विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए प्रवेश प्रक्रिया के मार्गदर्शन" विषय पर एक सेमिनार का आयोजन मिस्टर शौर्जेंद्र एन. मुखर्जी, रिसर्च स्कॉलर, टेम्पल यूनिवर्सिटी, यूएसए, द्वारा किया गया।

- 27 अक्टूबर, 2022 को "स्वास्थ्य और सार्वभौमिक सुख के लिए योग चिकित्सा" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन मिसेज दीप्ति जैन, योग इंस्ट्रक्टर, द्वारा किया गया।

करियर विकास केंद्र

इस साल स्थापित किए गए केंद्र ने छात्रों के बीच उद्यमिता और स्टार्टअप्स की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित इवेंट्स का आयोजन किया:

- 19 अप्रैल 2023 को "इन्वर्शन" आयोजित किया गया था जहां उभरते हुए उद्यमी और निवेशक कॉलेज आए और व्यापार प्रस्तावनाओं और स्टार्टअप योजनाओं पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए।
- 19 अप्रैल 2023 को "मार्केट्रिंग" ने प्रतियोगितात्मक कार्यक्रम के साथ मॉक अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें प्रतिभागियों ने मार्केट अफ़वाहों पर आधारित शेयरों पर बोली लगाकर सिक्योरिटीज़ ट्रेड किया।
- 20 अप्रैल 2023 को "बिजनेस की बात" के शीर्षक से उद्यमिता समिट आयोजित किया गया था, जो करियर विकास केंद्र द्वारा व्यापार ई-समिट 2023 का सबसे प्रतीक्षित इवेंट था। इस इवेंट पर
- विजनरी श्री भारत भूषण, समर्थ भारत करियर विकास केंद्र ; श्री रमेश अग्रवाल, अग्रवाल पैकर्स और मूवर्स के एमडी; और श्री नवरत्न अग्रवाल, बिकानेरवाला फूड्स के निदेशक ने प्रेरणादायी भाषण दिए और छात्रों को प्रोत्साहित किया कि वे ऐसा माहोल बनाएं जहां वे नौकरी ढूढने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनें। प्रोफेसर अभय कुमार दुबे, डीसीएसी के गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष ने अपने संक्षिप्त भाषण में औपनिवेशिक शिक्षा और तनख्वाही नौकरियों के लिए आकांक्षा के बीच एक संबंध स्थापित किया। कॉलेज के प्रिंसिपल, प्रोफेसर राजीव चोपड़ा ने भी छात्रों को और अधिक नवाचारी और उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

ब्रॉडवे, डीसीएसी का प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल

दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट सेल अपने छात्रों को एक उच्चस्तरीय मंच प्रदान करने के लिए समर्पित है जो उद्यमी जगत के अग्रणी बहुराष्ट्रीय कंपनियों और सामाजिक क्षेत्र की प्रमुख संगठनों के साथ संबंधित होने में मदद करता है। यह अपने 175 से अधिक छात्रों को नौकरी देने में सफल रहा और इनमें से 60 से अधिक कंपनियों ने अभियांत्रिकी, कार्यालय, बिक्री, सामग्री लेखन, अनुसंधान, विश्लेषण, परामर्श और लेखा परीक्षण जैसे कई पदों के लिए ऑफर दिए।

इस सत्र में सबसे उच्च वेतन पैकेज 22 लाख प्रति वर्ष, औसत वेतन पैकेज 7 लाख प्रति वर्ष और पिछले सत्र की तुलना में ऑफरों की संख्या में 95.5% की वृद्धि देखी गई। हमारे कॉलेज के छात्रों को कई इंटर्नशिप ऑफर भी मिले, जिसमें औसतन 10,000 रुपये प्रति माह भत्ता शामिल थी।

इन्टर्नशिप के लिए डीसीएसी के छात्रों को रखने वाली प्रमुख कंपनियों में डी शॉ, डेकाथलॉन, अनैकैडमी, ट्रैव्क्लैन, आम आदमी पार्टी और अन्य शामिल थे। प्लेसमेंट सेल ने इस सत्र में प्लेसमेंट सेल द्वारा आईएसबी, आईएमएस, सक्सेस लीडिंग जैसे प्रतिष्ठित संगठन द्वारा "ऐस योर प्लेसमेंट इंटरव्यू" विषय पर करियर निर्माण वेबिनार का आयोजन किया गया।

फ्राइडे स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स: ज्ञान की खोज में एक अनंत यात्रा

जैसे गर्म गंगा हिमालय से एक छोटे से पानी की बूँद से शुरू होती है, वैसे ही फ्राइडे स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स (एफएसई) भी छोटे से विचारों के साथ शुरू होकर मानव ज्ञान के विशाल भू-संवर्धन पर धीरे-धीरे शक्ति और पैमाना बढ़ा रहा है। इसे वर्ष 2010 में शुरू किया गया था। एफएसई एक प्रशिक्षण के मैदान है जहां युवा दिमागों को शिक्षा पुस्तक के ज्ञान को आधुनिक दुनिया की वास्तविकताओं से जोड़ना सीखते हैं।

एड्रॉइट

एड्रॉइट की एक विरासत जो 15 साल से अधिक की है, ने विज्ञापन और विपणन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान किए हैं। प्रारंभ में इकोनॉमिक्स + एएसपीएम (बीए प्रोग्राम) के उत्साही छात्रों के समूह द्वारा गठित, इसमें विभिन्न अन्य धाराओं के सदस्यों को शामिल किया गया है, जिससे मिलजुलकर काम करने का भाव उत्पन्न होता है। संघ का प्राथमिक ध्यान छात्रों के ज्ञान और कौशल को विस्तारित करने पर है, जिसके लिए इंटरैक्टिव सत्र और कार्यक्रमों के माध्यम से अनुभव साझा किए जाते हैं। एड्रॉइट अपने नाम के उदाहरण के रूप में साहस, सहयोगिता और व्यक्तिगत और पेशेवर विकास के प्रति अपने समर्पण का प्रदर्शन करके अपने अद्भुतता को प्रतिष्ठित करता है, जिससे इसके सदस्यों के लिए समर्थन करने वाला परिवार-समान वातावरण बनाया जाता है।

सांस्कृतिक समाज

अनेक सांस्कृतिक समाज हैं जो छात्रों को विभिन्न अतिरिक्त-शैक्षिक गतिविधियों में सम्मिलित होने, अपनी पोटेंशियल की खोज करने और अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। हमारे छात्रों ने कई इंटर-कॉलेज और इंट्रा-कॉलेज गतिविधियों में हिस्सा लिया है और कई प्रतियोगितात्मक कार्यक्रमों में उत्कृष्टता प्राप्त की है।

विवाक्षा: हिंदी वाद-विवाद समाज

समाज हर हफ्ते अभ्यास सत्र आयोजित करता है जहां मॉक कन्वेंशनल वाद-विवाद, पार्लियामेंटरी वाद-विवाद, समूह चर्चा और एक्सटेम्पोर का आयोजन किया जाता है।

मक्तूब: कविता समाज

इस साल समाज ने कविता और कला के कई नए पहलुओं को पेश किया, जैसे कि पढ़ने का समूह (दर्पण), और हमारी मूवी स्क्रीनिंग (सिनेमा घर), और कई संगठनों के साथ मिलकर कविता पठन और लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

लहर: नाटक समाज

समाज ने अन्य कॉलेजों में कुल 19 प्रतियोगिता प्रदर्शनों और सामाजिक जागरूकता के लिए 3 सार्वजनिक प्रदर्शनों का आयोजन किया। इसका वार्षिक सड़क नाटक प्रयोजन "आज़ादी कैदी" बड़े दर्शकों को आकर्षित करता है और यह दिल्ली विश्वविद्यालय के कई कॉलेजों में पहले स्थान की प्राप्ति कर चुका है।

ड्रिफ्टअप: नृत्य समाज

टीम ने सितंबर 2022 में हिंदू कॉलेज में सुसाइड अवेयरनेस डे पर एक थीमैटिक परफॉर्मेंस दी, जिसे नवंबर 2022 में फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में पहले इंटर-कॉलेज प्रतियोगिता का परिचय किया गया। हम विभिन्न प्रोडक्शंस के लिए पुराने स्कूल हिप हॉप से लेकर बी-बोइंग, हाउस, और वैकिंग जैसे फॉर्म्स की बुनियादी ट्रेनिंग देते हैं।

स्टाइलस: फैशन सोसायटी

सोसायटी ने कॉलेजों में आयोजित 19 इवेंट में हिस्सा लिया और कई प्रतियोगिताओं में विजयी हुआ।

दस्तगाह: द म्यूज़िक सोसायटी

दस्तगाह, डीसीएसी की संगीत सोसायटी, अक्सर दिन के बीच में भावपूर्ण संगीत के साथ जैमिंग करते हुए देखी जाती है। भारतीय टीम अपने सूफ़ी दोपहरों के लिए प्रसिद्ध है और पश्चिमी टीम के एकापेला गाने की आवाज़ को कॉलेज के गलियारों में गूंजते सुना जा सकता है!

लिंग्विस्टा: भाषाओं और सांस्कृतिक विविधता की दुनिया का अन्वेषण

लिंग्विस्टा डीसीएसी की विदेशी भाषा सोसायटी है, जिसका प्रबंध जर्मन और स्पेनिश विभागों के संरक्षण में किया जाता है, जो विदेशी भाषाओं और संस्कृतियों के प्रति प्रेम को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित है। सोसायटी आज की तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था में भाषाई विविधता और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने में मुख्य रूप से खड़ी है, साथ ही इन भाषाओं का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न करियर अवसरों के लिए मूल्यवान अनुभवों की पेशकश भी करती है।

कॉलेज की गतिविधियां और सुविधाएं

कॉलेज में देखीं गई प्रमुख घटनाएँ

- भारत के जी-20 प्रधानत्व के अवसर पर, कॉलेज ने गर्व से एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 01 मार्च, 2023 को ग्रोब्निक गोरदन ग्लिक रडमन, जो क्रोएशिया गणराज्य के विदेश और यूरोपीय मामलों के मंत्री हैं, ने अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम में क्रोएशिया के राजदूत श्री पीटर ल्यूबिचिच और अन्य महत्वपूर्ण अतिथियों की भी उपस्थिति थी। गोरदन रडमन जी के भ्रमण से यह स्पष्ट हुआ कि दोनों देशों के बीच मजबूत संबंध और आर्थिक, वाणिज्यिक और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने की साझी प्रतिबद्धता है।
- कॉलेज ने इस साल दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ एक रोजगार विकास केंद्र स्थापित करने के लिए एक समझौता (MOU) हस्ताक्षर किया है, जिसका उद्देश्य छात्रों के बीच उद्यमिता को प्रोत्साहित करना और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देना है।
- GDSC/DCAC के पूर्व छात्र संघ की वार्षिक मीटिंग 26 फरवरी, 2023 को हमारे माननीय मुख्य अतिथियों: माननीय न्यायाधीश श्री अमित महाजन, दिल्ली उच्च न्यायालय के एक प्रतिष्ठित न्यायाधीश; श्री कुलजीत सिंघ चहल, भाजपा दिल्ली के महासचिव, और डॉ. विकास गुप्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, द्वारा उद्घाटन किया गया था। हमारे प्रतिष्ठित पूर्व छात्र जिन्हें सम्मानित किया गया था, उनमें श्री राजिंदर सिंघ, अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश; श्री राहुल राज वर्मा, वकील और कानूनी सलाहकार; प्रसिद्ध गायक श्री सूर्यवीर हूजा और श्री अखिल सचदेवा; श्री गौरव अम्लानी, प्रसिद्ध अभिनेता; श्री गौतम कपूर, राष्ट्रीय इनोवेशन और योजना आयोग के सदस्य; और कर्नल बीएस उप्पल (वीएसएम), पैदल और वायुसेना अधिकारी शामिल थे।
- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को 21 जून, 2023 को दिल्ली कला और वाणिज्य महाविद्यालय में उत्साह से मनाया गया।

वेबिनार्स, बातचीतें, इंटरैक्टिव सेशनों की झलक (2023-2024):

वाणिज्य विभाग

- एक वेबिनार वंगाती द्वारा अनअकैडमी के सहयोग से "कैसे करें यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा का चयन और रणनीति" विषय पर आयोजित किया गया था, जिसमें अंकुर अग्रवाल ने 17 जुलाई 2022 को भाग लिया। तथागत के सह-संस्थापक, विशेषज्ञ मेंटर - कुमार अभिषेक ने 31 मार्च 2023 को प्लेसमेंट के लिए साक्षात्कार कैसे नियंत्रित करें पर एक सेमिनार आयोजित किया गया।

पर्यावरण अध्ययन विभाग

- पर्यावरण अध्ययन विभाग और हरित समिति, प्रकृति और आईक्यूएसी, डीसीएसी ने 21 जनवरी 2023 (शनिवार, 12:00 दोपहर) को वेबिनार आयोजित किया। इस मौके पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश के वनस्पति विज्ञान विभाग से डॉ. प्रताप श्रीवास्तव (सहायक प्रोफ़ेसर) ने मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थिति दी। उन्होंने एक बहुत महत्वपूर्ण विषय पर श्रोता-गण को प्रेरित किया: "पृथ्वी पर जीवन: परस्पर क्रियाओं का परिणाम और इसका विकास।"

अंग्रेजी विभाग

- एक मेहमान व्याख्यान डॉ. अर्णब दत्त राय (असिस्टेंट प्रोफेसर ऑफ़ इंग्लिश, फ्लोरिडा गल्फ कोस्ट विश्वविद्यालय, यू.एस.ए) ने "साहित्य में सहानुभूति कैसे पढ़ें" पर 10 नवंबर 2022 को एक व्याख्यान दिया।
- • एक मेहमान व्याख्यान शुहिता भट्टाचार्जी (असिस्टेंट प्रोफेसर, लिबरल आर्ट्स विभाग और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद के अतिरिक्त डिज़ाइन के एडजंक्ट प्रोफेसर) ने 3 मार्च 2023 को वर्चुअल मोड में "धर्म और साहित्य कैसे करें?" पर एक व्याख्यान दिया।

हिंदी विभाग

- आइक्यूएसी के परिचय के तहत, हिंदी विभाग ने वरिष्ठ विज्ञान-कथा लेखक देवेंद्र मेवाड़ी द्वारा 'विज्ञानात्मक चेतना हिंदी कथा-साहित्य में' विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया।

इतिहास विभाग

- दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंटेनरी वर्ष के उत्सव के हिस्से के रूप में, विभाग ने 'इतिहास और कला: कुछ परिप्रेक्ष्य' पर एक व्याख्यान आयोजित किया, जिसमें प्रो. सीमा बावा, दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रमुख, ने 16 नवंबर को भाग लिया, और उस दिन विभाग मैगज़ीन, 'इतिवृत्तांत', का प्रकाशन भी प्रारंभ हुआ, जो पहली बार प्रिंट माध्यम में हुआ।
- 20 जनवरी को, विभाग के पाँच छात्र भारतीय धरोहर के संरक्षण और प्रचारण पर आयोजित आईएनटीएसीएच कार्यशाला में भाग लिया। छात्रों ने मिसेज पूर्णिमा दत्त और डॉ। स्वप्ना लिडुल से व्याख्यानों का सम्मान किया, जो दिल्ली शहर पर इतिहासकार और आईएनटीएसीएच सलाहकार हैं। कई प्रसिद्ध विद्वानों ने लोधी बाग में धरोहर के माध्यम से दर्शकों को परिचित किया, जिसमें व्याख्यान, सहकर्मियों के साथ इंटरैक्टिव गतिविधियाँ, और लोधी बाग में विराम चलन शामिल थे।

पत्रकारिता विभाग

- आईक्यूएसी के निर्देशन में विभाग ने 30 जनवरी 2023 को "पत्रकार से चर्चा" व्याख्यान श्रृंखला के तहत अपने पहले वार्तालाप का आयोजन किया। श्रीमती लिज़ मैथ्यू, डिप्टी पॉलिटिकल संपादक, इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप, ने इस व्याख्यान के दौरान छात्रों को "भारत में राजनीतिक समाचार कवरेज: उभरते रुझान" विषय पर संबोधित किया।
- विभाग ने 14 फरवरी 2023 को "वास्तविकता सत्यापन" पर दो घंटे का कार्यशाला आयोजित किया। इसे श्री निमिश कपूर, वरिष्ठ वैज्ञानिक, विज्ञान प्रसार, भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया ने आयोजित किया। इस कार्यशाला का तकनीकी समर्थन गूगल न्यूज इनिशिएटिव (जीएनआई) द्वारा किया गया था।

गणित विभाग

- गणित विभाग, दिल्ली कला और वाणिज्य महाविद्यालय, IQAC के सहयोग से, "आजादी का अमृत महोत्सव" के अवसर पर 16 मार्च 2023 को गणित से संबंधित किसी भी विषय पर लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

जेंडर-संवेदनशील कैंपस स्थानों का निर्माण

कॉलेज महिलाओं के कामगारों में यौन उत्पीड़न के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता नीति का पालन करता है और इस उद्देश्य के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है - आंतरिक शिकायत समिति और जेंडर संवेदनशीलता समिति। महिलाओं की सुरक्षा की विशेषता से ध्यान रखने के लिए, महिला सुरक्षा गार्ड तैनात किए जाते हैं, सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाते हैं और एक शिकायत बॉक्स प्रदान किया जाता है। समितियाँ छात्रों और कर्मचारियों को संवेदनशील बनाने के लिए विशेष प्रयास करती हैं, महिलाओं के लिए उपलब्ध कानूनी प्रावधानों पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करके जेंडर विषयों पर वार्षिक सेमिनार, कार्यशाला, और फिल्म स्क्रीनिंग आयोजित की जाती हैं।

निम्नलिखित चर्चाएं और आयोजन पिछले शैक्षिक वर्ष के दौरान हुए थे:

- 19 सितंबर 2022 को डिजिटल सुरक्षा पर एक चर्चा आयोजित की गई जिसका विषय- इंटरनेट-सक्षम बाल यौन उत्पीड़न और तस्करी का निपटारा" जिसके वक्ता ब्रुक इस्टूक, एक डिजिटल सुरक्षा विशेषज्ञ थे। यह सत्र बहुत रुचिकर और संवादात्मक रहा। 10 दिसंबर 2022 को "यौन उत्पीड़न का सामना करना: आईसीसी और कानून" विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया था। वक्ता डॉ. अनीता टागोर, कालिंदी कॉलेज की एसोसिएट प्रोफ़ेसर थीं।
- कॉलेज के छात्रों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण स्टाफ़ के द्वारा वर्ष 2023-2024 में किसी भी उत्पीड़न का मामला रिपोर्ट नहीं किया गया।

समान अवसर सेल

समान अवसर सेल कि स्थापना कॉलेज में 2010 में की गई थी। इस इकाई के अध्यक्ष के रूप में डॉ0 के. सुरेश कुमार की नियुक्ति हुई थी। इसके स्थापना के बाद से, यह विकलांगता वाले व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए एक सुविधा प्रदाता और समन्वयक के रूप में कार्य कर रहा है। इस इकाई ने विकलांग छात्रों के लिए संवेदनशीलता कार्यशालाएं और गतिशील तरीके से उनके सामान्य सहभागियों को जोड़कर उनके लिए गतिशीलता-अभियान भी आयोजित किए हैं।

पुस्तकालय

कॉलेज पुस्तकालय समिति पुस्तकालय को बेहतर बनाने और उसके पुस्तक संग्रह के निर्माण में सक्रिय रूप से शामिल रही है। इसमें लगभग 61,819 पुस्तकों का संग्रह है। यह 29 पत्रिकाओं/जर्नल्स और 14 समाचार पत्रों की सदस्यता लेता है। पुस्तकालय द्वारा शुरू की गई और अपनाई गई सहायता सेवाएँ, प्रथाएँ इस प्रकार हैं:

- यह DULS और N-LIST सदस्यता के माध्यम से ई-संसाधन सेवाओं तक पहुंच भी प्रदान करता है, जो दूरस्थ रूप से पहुंच योग्य हैं।
- लाइब्रेरी का होमपेज लाइब्रेरी नियमों, सेवाओं, कर्मचारियों, समय, वेब ओपेक और बहुत कुछ पर जानकारी प्रदान करता है।
- यह पूरी तरह से स्वचालित है, वेब-ओपीएसी सुविधाओं के साथ कोहा-ओपन-सोर्स एकीकृत सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है।
- यह कुशल पुस्तकालय प्रबंधन के लिए आरएफआईडी (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) तकनीक का उपयोग करता है।
- लाइब्रेरी ने एक डिजिटल एंट्री रीडर सिस्टम और डी-स्पेस (डिजिटल रिपॉजिटरी सॉफ्टवेयर) लागू किया है।
- पुस्तकालय दृष्टिबाधित छात्रों को उनकी पाठ्यक्रम सामग्री तक पहुँचने में सहायता करने के लिए सॉफ्टवेयर और ब्रेल पुस्तकें प्रदान करता है।

चिकित्सा सहायता कक्ष

कॉलेज में एक चिकित्सा कक्ष है जिसमें एक पैरामेडिक ड्यूटी पर होता है। इसमें आपातकालीन स्थिति के लिए एक स्ट्रेचर और दो व्हीलचेयर सुसज्जित हैं।

खेल की सुविधाएँ

कॉलेज में एक मानक आकार का सिंथेटिक बास्केटबॉल कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, और स्टैंडर्ड साइज का स्टैग टेबल टेनिस टेबल है।

बहुउद्देशीय हॉल

कॉलेज में एक उत्कृष्ट ध्वनि प्रणाली और लाइट सामग्री से युक्त बहुउद्देशीय हॉल है।

सम्मेलन कक्ष

कॉलेज में दो अत्याधुनिक सेमिनार कक्ष हैं, जो नवीनतम दृश्य - श्रव्य तकनीक से सुसज्जित हैं, जो छात्रों और शिक्षकों के लिए एक संवेदनशील और आकर्षक शिक्षा वातावरण को प्रोत्साहित करते हैं।

विश्वविद्यालय के अध्यादेश

अध्यादेश XV-B

<u>विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखना</u>

1.अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित सभी शक्तियां कुलपति में निहित हैं।

2. कुलपति सभी या ऐसी शक्तियां, जो वह उचित समझे, प्रॉक्टर और ऐसे अन्य व्यक्तियों को सौंप सकता है, जिन्हें वह इस ओर से निर्दिष्ट कर सकता है।

3. अध्यादेश के तहत अनुशासन लागू करने की शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना निम्नलिखित को घोर अनुशासनहीनता के कार्य माना जाएगा:

ए। किसी भी संस्थान/विभाग के शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ के किसी भी सदस्य और दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी छात्र के खिलाफ शारीरिक हमला, या शारीरिक बल का उपयोग करने की धमकी
बी। किसी भी हथियार को ले जाना, उपयोग करना या उपयोग करने की धमकी देना
सी। नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का कोई भी उल्लंघन
डी। अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों की स्थिति, गरिमा एवं सम्मान का उल्लंघन
इ। कोई भी प्रथा-चाहे मौखिक हो या अन्यथा-महिलाओं का अपमान करने वाली हो
एफ। किसी भी प्रकार से रिश्वत देने या भ्रष्टाचार करने का कोई भी प्रयास
जी। संस्थागत संपत्ति का जानबूझकर विनाश
एच। धार्मिक या सांप्रदायिक आधार पर द्वेष या असहिष्णुता पैदा करना
मैं। विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कामकाज में किसी भी प्रकार से व्यवधान उत्पन्न करना;
जे। अध्यादेश XV-सी के अनुसार रैगिंग पर प्रतिबंध।

4. अनुशासन बनाए रखने से संबंधित अपनी शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्रवाई करना जो उसे उचित लगे, कुलपति अपने प्रयोग में ऐसा कर सकता है। उपरोक्त शक्तियां आदेश या निर्देश देती हैं कि कोई भी छात्र या छात्राएँ -
एक। निष्कासित किया; या
बी। एक निश्चित अवधि के लिए निष्कासित किया जाए; या
सी। सी। किसी निश्चित अवधि के लिए किसी कॉलेज में किसी पाठ्यक्रम या अध्ययन पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं लिया जाए,
विश्वविद्यालय का विभाग या संस्थान; या
डी। निर्दिष्ट रुपये की राशि का जुर्माना लगाया जाएगा; या
इ। विश्वविद्यालय या कॉलेज या विभागीय परीक्षा देने से वंचित किया जाएगा
एक या अधिक वर्षों के लिए परीक्षाएँ; या
एफ। कि परीक्षा या परीक्षाओं में संबंधित छात्र या छात्राओं का परिणाम
जिसमें वह निरस्त होना प्रतीत हुआ है।

5. महाविद्यालयों के प्राचार्य, हॉल के प्रमुख, संकायों के डीन, शिक्षण प्रमुख
विश्वविद्यालय के विभागों, प्राचार्य, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग और लाइब्रेरियन को अपने संबंधित कॉलेजों, संस्थानों, संकायों और विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों में छात्रों पर ऐसी सभी अनुशासनात्मक शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार होगा जो कि उचित आचरण के लिए आवश्यक हो सकते हैं। संबंधित संस्थान, हॉल और शिक्षण। विभाग. वे अपने कॉलेजों, संस्थानों या विभागों में ऐसे शिक्षकों के माध्यम से अपने अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं या उन्हें अधिकार सौंप सकते हैं जिन्हें वे इन उद्देश्यों के लिए निर्दिष्ट कर सकते हैं।

6. जैसा कि ऊपर कहा गया है, कुलपति और प्रॉक्टर की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जाएंगे।

इन नियमों को, जहां आवश्यक हो, इस विश्वविद्यालय में कॉलेजों के प्राचार्यों, हॉलों के प्रमुखों, संकायों के डीन और शिक्षण विभागों के प्रमुखों द्वारा पूरक किया जा सकता है। प्रत्येक छात्र
उनसे अपेक्षा की जाएगी कि वे स्वयं इन नियमों की एक प्रति उपलब्ध कराएं।

प्रवेश के समय प्रत्येक छात्र को एक घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करना होगा
प्रवेश के लिए वह खुद को कुलपति और विश्वविद्यालय के कई प्राधिकारियों के अनुशासनात्मक अधिकार क्षेत्र के अधीन कर देता है, जिन्हें अधिनियमों, क़ानूनों, अध्यादेशों और उनमें बनाए गए नियमों के तहत अनुशासन का अभ्यास करने का अधिकार दिया जा सकता है। विश्वविद्यालय द्वारा.

अध्यादेश XV-C:

रैगिंग के लिए निषेध और सजा

1.कॉलेज/विभाग या परिसर के भीतर किसी भी रूप में रैगिंग सख्त वर्जित है
संस्थान और दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी हिस्से के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन पर भी।

2. रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या अभ्यास घोर अनुशासनहीनता है और इससे इस अध्यादेश के तहत निपटा जाएगा।

3. इस अध्यादेश के प्रयोजनों के लिए रैगिंग का अर्थ सामान्यतः कोई भी कार्य, आचरण या अभ्यास है जिसके द्वारा वरिष्ठ छात्रों की प्रमुख शक्ति या स्थिति को नए सिरे से छात्रों पर लागू किया जाता है।
नामांकित या वे छात्र जो किसी भी तरह से अन्य छात्रों द्वारा कनिष्ठ या हीन माने जाते हैं; और
इसमें व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या प्रथाएँ शामिल हैं -

ए। इसमें शारीरिक हमला या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी शामिल है
बी। महिला छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन
सी। अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करें
डी। छात्रों को उपहास और अवमानना के लिए उजागर करें और उनके आत्मसम्मान को प्रभावित करें
इ। इसमें मौखिक दुर्व्यवहार और आक्रामकता, अभद्र इशारे और अश्लील व्यवहार शामिल हैं।

4. किसी महाविद्यालय का प्राचार्य, विभाग या संस्था का प्रमुख, प्राधिकारी
कॉलेज, या यूनिवर्सिटी हॉस्टल या हॉल ऑफ रेजिडेंस किसी पर भी तुरंत कार्रवाई होगी
रैगिंग की घटना की जानकारी.

5. उपरोक्त खंड (4) में किसी भी बात के बावजूद, प्रॉक्टर रैगिंग की किसी भी घटना की स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच कर सकता है और रैगिंग में शामिल लोगों की पहचान और घटना की प्रकृति के बारे में कुलपति को रिपोर्ट कर सकता है।

6. प्रॉक्टर अपराधियों की पहचान स्थापित करने वाली एक प्रारंभिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकता है

रैगिंग और रैगिंग घटना की प्रकृति।

7. यदि किसी कॉलेज के प्राचार्य या विभाग या संस्थान के प्रमुख या प्रॉक्टर इस बात से संतुष्ट हैं कि किसी कारण से, लिखित रूप में दर्ज किए जाने पर, ऐसी जांच करना उचित रूप से व्यावहारिक नहीं है, तो वह वाइस को सलाह दे सकते हैं -कुलाधिपति तदनुसार.

8. जब कुलपति संतुष्ट हो जाए कि ऐसी जांच कराना समीचीन नहीं है, तो उसका निर्णय अंतिम होगा।

9. खंड (5) या (6) के तहत एक रिपोर्ट की प्राप्ति पर या खंड (7) के तहत संबंधित प्राधिकारी द्वारा खंड 3 (ए), (बी) और (सी) में वर्णित रैगिंग की घटनाओं का खुलासा करने वाले निर्धारण पर। , कुलपति किसी छात्र या छात्राओं को विशिष्ट वर्षों के लिए निष्कासित करने का निर्देश या आदेश देगा।

10. रैगिंग के अन्य मामलों में कुलपति आदेश या निर्देश दे सकता है कि किसी छात्र या छात्रा को निष्कासित कर दिया जाए या एक निर्धारित अवधि के लिए उसे कॉलेज में अध्ययन के पाठ्यक्रम में प्रवेश न दिया जाए।
एक या अधिक वर्षों के लिए विभागीय परीक्षा या संबंधित छात्र या छात्राएँ जिस परीक्षा या परिक्षा में सम्मिलित हुए थे उसका परिणाम रद्द कर दिया जाए।

11. यदि कोई छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय की डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त किया हुआ पाया जाता है
अपराधी; इस अध्यादेश के तहत वापसी के लिए परिनियम 15 के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी
विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त डिग्री या डिप्लोमा।

12. इस अध्यादेश के प्रयोजन के लिए, रैगिंग के लिए उकसाना, चाहे वह किसी कार्य, अभ्यास या रैगिंग के लिए उकसाना हो, भी रैगिंग की श्रेणी में आएगा।

13. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के भीतर सभी संस्थान इस अध्यादेश के तहत जारी निर्देशों/निर्देशों को पूरा करने और अध्यादेश के प्रभावी कार्यान्वयन को प्राप्त करने के लिए कुलपति को सहायता देने के लिए बाध्य होंगे।

नोट: अध्यादेश XV-सी के अनुसरण में कुलपति का आदेश:
जहां इसके तहत किसी प्राधिकारी द्वारा रैगिंग की घटनाओं की सूचना कुलपति को दी जाती है
अध्यादेश के अनुसार, रैगिंग में शामिल छात्रों को एक निश्चित अवधि के लिए निष्कासित कर दिया जाएगा। रैगिंग की रिपोर्ट में शामिल गैर-छात्रों पर भारत के आपराधिक कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी; उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी संस्थान में नामांकन लेने से पांच साल की अवधि के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। जिन छात्रों के खिलाफ इस नोट के तहत आवश्यक कार्रवाई की गई है, उन्हें प्राकृतिक न्याय के नियमों का सख्ती से पालन करते हुए निर्णय के बाद सुनवाई का मौका दिया जाएगा।

एंटी रैगिंग कमेटी के सदस्य

लेफ्टिनेंट भूपिंदर - संयोजक (bsjaryal@dcac.du.ac.in)
विद्यार्थी परिषद के सलाहकार
डॉ. मनोज राठी (manoj.rathi@gmail.com)
सुश्री लक्ष्मी (laxmi@dcac.du.ac.in)
डॉ. ज्योत्सना पाठक (jyotsna.pathak@dcac.du.ac.in)
श्री संजय झा (aodcac@gmail.com)

अध्यादेश XV-D

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 (कानून और न्याय मंत्रालय)।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने और यौन उत्पीड़न की शिकायतों की रोकथाम और निवारण और उससे जुड़े प्रासंगिक मामलों के लिए एक अधिनियम। जबकि यौन उत्पीड़न के परिणामस्वरूप भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के तहत एक महिला के समानता के मौलिक अधिकारों और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उसके जीवन के अधिकार और सम्मान के साथ जीने का अधिकार और किसी भी पेशे का अभ्यास करने या धारण करने का अधिकार का उल्लंघन होता है। किसी भी व्यवसाय, व्यापार या व्यवसाय पर जिसमें यौन उत्पीड़न से मुक्त सुरक्षित वातावरण का अधिकार शामिल है और जबकि यौन उत्पीड़न के खिलाफ सुरक्षा और सम्मान के साथ काम करने का अधिकार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और उन्मूलन पर कन्वेंशन जैसे उपकरणों द्वारा सार्वभौमिक रूप से मान्यता प्राप्त मानव अधिकार हैं। महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव, जिसे भारत सरकार द्वारा 25 जून 1993 को अनुमोदित किया गया है। और जबकि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ महिलाओं की सुरक्षा के लिए उक्त कन्वेंशन को प्रभावी बनाने के लिए प्रावधान करना समीचीन है। विवरण के लिए,कृपया वेबसाइट http://www.shebox.nic.in/assets/site/main/images/Sexual-Harassment-at-Workplace-Act.pdf देखें।

आंतरिक शिकायत समिति, लिंग संवेदीकरण समिति

समितियाँ महिला छात्रों के कल्याण के लिए सक्रिय रूप से काम करती हैं और उनकी शिकायतों के निवारण की सुविधा प्रदान करती हैं। वे नियमित रूप से घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न जैसे महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर फिल्म स्क्रीनिंग, वार्ता और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करते हैं, यौन उत्पीड़न से संबंधित वैधानिक प्रावधानों और कॉलेज में उनकी रोकथाम, लिंग संवेदनशीलता और व्यवहार परिवर्तन की आवश्यकता, कन्या भ्रूण हत्या पर चर्चा करते हैं। और जैसे। दिल्ली पुलिस क्राइम सेल द्वारा कॉलेज में आत्मरक्षा कार्यशाला का भी आयोजन किया जाता है।

यौन उत्पीड़न के विरुद्ध आंतरिक शिकायत समिति

यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में एक आंतरिक शिकायत समिति है। ऐसी किसी भी शिकायत के लिए पीठासीन अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है

आंतरिक शिकायत समिति के सदस्य

क्रमांक	सदस्य का नाम	पद	दूरभाष संख्या	ईमेल
1	प्रो. बिजया ठाकुर	पीठासीन अधिकारी	9540024039	bthakur@dcac.du.ac.in
2	प्रो. श्रीकांत पांडे	सदस्य	9811073507	spandey@dcac.du.ac.in
3	डॉ. नेहा जिंगाला	सदस्य	9818893289	neha.jingala@dcac.du.ac.in
4	सुश्री पूनम रानी, पुस्तकालय अध्यक्ष	सदस्य	7011297110	librarian@dcac.du.ac.in
5	सुश्री सोनू	सदस्य (गैर शिक्षण)	8368775438	sonu@dcac.du.ac.in
6	सुश्री रीतिका सिंह	सदस्य (गैर शिक्षण)	7042713431	riti0414@gmail.com
7	श्री रचित	छात्र प्रतिनिधि	7452066041	rachit.22jour314@dcac.du.ac.in
8	श्री यतिश सिंह	छात्र प्रतिनिधि	9654410072	yatish.22eng158@dcac.du.ac.in
9	सुश्री अंशिका सागर	छात्र प्रतिनिधि	6300659554	anshika.22ps477@dcac.du.ac.in
10	सुश्री नियती शर्मा	को-ऑप्टेड सदस्य	8587027428	sharma.niyati29@gmail.com

कॉलेज ने निम्नलिखित सदस्यों के साथ एक लिंग संवेदीकरण प्रकोष्ठ का गठन किया है:

क्रमांक	सदस्य का नाम	पद
1	डॉ. संतोष भारती	संयोजक
2	डॉ. किशोर कुमार	सदस्य
3	डॉ. आकृति कोहली	सदस्य
4	डॉ. शशि कांत	सदस्य
5	सुश्री पूनम रानी	सदस्य
6	सुश्री जानकी बत्रा	छात्र प्रतिनिधि
7	श्री जीवन ज्योति रौतराय	छात्र प्रतिनिधि

कॉलेज के नियम और क़ानून

कॉलेज का समय
कॉलेज में कक्षाएं सुबह 8.30 बजे शुरू होती हैं, प्रत्येक कक्षा की अवधि 1 घंटे है।

उपस्थिति
दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश VII के अनुसार, सभी नियमित छात्रों को विश्वविद्यालय परीक्षा में बैठने के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए न्यूनतम संख्या में व्याख्यान और ट्यूटोरियल (दो तिहाई या 66%) में भाग लेने की आवश्यकता होती है।

व्याख्यान और ट्यूटोरियल में उपस्थिति के मामले में कॉलेज के छात्र विश्वविद्यालय परीक्षा के नियमों और विनियमों द्वारा शासित होते हैं और उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अपेक्षित संख्या में व्याख्यान और ट्यूटोरियल में भाग लेना होता है।

यदि कोई छात्र बिना किसी वैध कारण के 30 दिनों से अधिक समय तक अनुपस्थित रहता है तो ऐसे छात्र का नाम बिना किसी सूचना के कॉलेज के नामावली से काट दिया जाएगा। यदि कोई छात्र अपनी अनुपस्थिति के कारण प्राचार्य को संतुष्ट करता है तो पुन: प्रवेश लिया जा सकता है। लेकिन किसी भी स्थिति में अनुपस्थिति साठ दिनों से अधिक नहीं होनी चाहिए। ऐसे मामले में पुस्तकालय सुरक्षा के अलावा कोई अन्य शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।

छात्रों के माता-पिता/अभिभावकों से भी यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया जाता है कि उनके बच्चे उपस्थिति की आवश्यकताओं को पूरा करें ताकि उन्हें सेमेस्टर के अंत में विश्वविद्यालय परीक्षा देने से रोका न जाए। बीमारी के मामले में, छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे बीमार पड़ने के एक पखवाड़े के भीतर कॉलेज कार्यालय में अपना मेडिकल सर्टिफिकेट जमा करें, ऐसा नहीं करने पर किसी भी आधार पर कोई मेडिकल सर्टिफिकेट नहीं लिया जाएगा।

पहचान पत्र
छात्रों को हर समय अपने व्यक्ति पर पहचान पत्र ले जाना आवश्यक है। पहचान पत्र कॉलेज छोड़ते समय जमा करना होगा। पहचान पत्र खो जाने की स्थिति में, ₹ 30/- के भुगतान पर डुप्लीकेट पहचान पत्र जारी किया जाएगा और छात्र को पुलिस में शिकायत (एफआईआर) दर्ज करनी होगी और उसकी एक प्रति कॉलेज में जमा करनी होगी।

छात्रों का कॉमन रूम
लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग कॉमन रूम हैं। कॉमन रूम अच्छी तरह से सुसज्जित हैं और कॉलेज के घंटों के दौरान छात्रों को इनडोर खेलों और मनोरंजन के लिए सुविधाएं प्रदान करते हैं।

कॉलेज का नोटिस बोर्ड
छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से कॉलेज के नोटिस बोर्ड को देखने की आदत डालें क्योंकि यह छात्रों के साथ संचार का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। समय-सारणी, परीक्षा की तिथि, उपस्थिति नियम, फ्रीशिप के लिए विभिन्न आवेदन पत्र जमा करने, छात्रवृत्ति, खेलकूद और कॉलेज फीस आदि के बारे में सभी महत्वपूर्ण सूचनाएं समय-समय पर नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाती हैं। छात्रों को कोई अलग संचार डाक द्वारा नहीं भेजा जाएगा। सभी छात्रों को महत्वपूर्ण जानकारी के लिए नियमित रूप से कॉलेज की वेबसाइट (http://dcac.du.ac.in) और विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.du.ac.in) पर जाने की आवश्यकता है।

एनसीसी, एनएसएस और खेल

प्रत्येक छात्र को तीन गतिविधियों में से एक में शामिल होने की आवश्यकता है - एनसीसी, एनएसएस या खेल। एनएसएस नामांकित स्वयंसेवकों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से नेतृत्व गुणों को विकसित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। ये गतिविधियाँ छात्रों को विभिन्न गैर सरकारी संगठनों और बड़े नागरिक समाज से जोड़ती हैं। अधिक जानकारी के लिए एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सुश्री डॉ. ज्योत्सना पाठक से संपर्क करें।

दिल्ली विश्वविद्यालय की एनसीसी गतिविधियों में कॉलेज का बहुत प्रमुख स्थान है। एनसीसी में भाग लेने के इच्छुक लोग एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट भूपिंदर से संपर्क करें।

खेल के क्षेत्र में भी कॉलेज का प्रदर्शन शानदार रहा है।

छात्रों को वित्तीय सहायता

कॉलेज कार्यालय में उपलब्ध निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन करने पर योग्य छात्रों को शुल्क में छूट के रूप में वित्तीय सहायता दी जाती है। आवेदन इस प्रयोजन के लिए अधिसूचित तिथि से पूर्व महाविद्यालय कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। किसी भी छात्र को वित्तीय सहायता के अनुदान के लिए तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि उसने समय सीमा से पहले आवेदन जमा नहीं कर दिया हो। इस तरह की वित्तीय सहायता केवल उन्हीं छात्रों को दी जाएगी जो अकादमिक रूप से मजबूत पाए जाएंगे।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्र शिक्षा निदेशालय, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली की मैट्रिकोत्तर छात्रवृत्ति के लिए पात्र हैं। जो छात्र उपरोक्त छात्रवृत्ति के लिए पात्र हैं, उन्हें अपने आवेदन (कॉलेज कार्यालय में उपलब्ध निर्धारित प्रपत्र पर) जमा करने होंगे। नियमों के तहत आवश्यक प्रमाण पत्र घोषणा आवेदन पत्र के साथ संलग्न किया जाना चाहिए। जो छात्र दिल्ली के अलावा अन्य राज्यों से हैं, उन्हें प्रवेश के तुरंत बाद अपना आवेदन उन राज्यों में जमा करना होगा, जहां से वे संबंधित हैं। इन निर्देशों का पालन करने में विफलता के परिणामस्वरूप ऐसी छात्रवृत्तियां प्रदान नहीं की जाएंगी।

ऑनर्स कोर्स के लिए स्कॉलरशिप

विश्वविद्यालय हर साल अक्टूबर के महीने में अखिल भारतीय प्रवेश छात्रवृत्ति, 50 (पचास) के मूल्य की संख्या में ₹ 250/- (दो रुपये) के पुरस्कार के लिए दिल्ली में एक प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करता है। सौ पचास मात्र) प्रति माह प्रत्येक विश्वविद्यालय में ऑनर्स की डिग्री के लिए अध्ययन के एक पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए तीन साल के लिए देय है। प्रतियोगिता उन छात्रों के लिए खुली होगी जिन्होंने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली से सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (शिक्षा के 10 + 2 पैटर्न के तहत) या वर्ष में कुल मिलाकर 55% अंकों के साथ उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की है। अखिल भारतीय प्रवेश छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित की जाती है।

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि प्रत्येक वर्ष 1 सितंबर है । अन्य विवरण कॉलेज या परीक्षा शाखा VII (i) (मुख्य विश्वविद्यालय परिसर) से किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे के बीच प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रत्येक वर्ष 1 अगस्त के बाद। योग्य उम्मीदवारों से परीक्षा फॉर्म अपेक्षित परीक्षा शुल्क के साथ स्वीकार किया जाएगा।

पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले छात्रों को इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ लॉन्ग लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दक्षता का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। विस्तृत जानकारी कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

धूम्रपान रोधी नोडल अधिकारी

कॉलेज धूम्रपान रोधी क्षेत्र है। डॉ. ज्योत्सना पाठक धूम्रपान रोधी नोडल अधिकारी हैं।

आरटीआई अधिनियम 2005

आरटीआई के लिए प्रासंगिक जानकारी कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध है। छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे कॉलेज की वेबसाइट देखें।

निम्नलिखित अधिकारियों को जन सूचना अधिकारी/सहायक सूचना अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

जन सुचना अधिकारी

डॉ. सुधांशु कुमार (sudhanshu.kumar@dcac.du.ac.in)

प्रथम अपील अपीलीय प्राधिकारी

प्रो. राजीव चोपड़ा, प्राचार्य (principaldcac@gmail.com)

कॉलेज देय राशि के भुगतान का तरीका

पूर्ण प्रवेश प्रक्रिया के लिए, कॉलेज शुल्क के भुगतान का तरीका और शुल्क वापसी की सूचना के लिए कृपया दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रम 2023-24 में प्रवेश के बुलेटिन को देखें।

अनुशासन के नियम

कॉलेज में अनुशासन के नियमों का पालन करने के लिए, ऊपर उद्धृत दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-B देखें।

अनुशासन समिति/प्रोक्टोरियल समिति के सदस्य

- **श्री अमित कुमार यादव - संयोजक (amit.yadav@dcac.du.ac.in)**
- **लेफ्टिनेंट भूपिंदर (bsjaryal@dcac.du.ac.in)**
- **डॉ. मनोज कुमार राठी (manoj.rathi@dcac.du.ac.in)**
- **विद्यार्थी परिषद सलाहकार**
- **सुश्री पूनम रानी (poonam.rani@dcac.du.ac.in)**
- **डॉ. ज्योत्सना पाठक (jyotsna.pathak@dcac.du.ac.in)**

पुस्तकालय नियम

पुस्तकालय कार्ड प्राप्त करने पर प्रत्येक छात्र को पुस्तकालय और वाचनालय के नियम जारी किए जाएंगे। प्रत्येक छात्र को शैक्षणिक वर्ष के अंत में विश्वविद्यालय परीक्षा देने से पहले अपने नाम से जारी की गई पुस्तकों/पत्रिकाओं को वापस करना होगा। परीक्षा रोल नंबर तभी जारी किया जाएगा जब छात्र पुस्तकालय/लेखा/एनसीसी/खेल आदि से 'अदेयता' निकासी प्रस्तुत करेगा।

प्रशासनिक कर्मचारी - वर्ग

प्रिंसिपल का कार्यालय

सुश्री सोनू	सहायक
सुश्री तरु सिरोही	कनिष्ठ सहायक

प्रशासन विभाग

श्री संजय झा	प्रशासनिक अधिकारी
श्री संजीव कुमार	अनुभाग अधिकारी
सुश्री सुनीता शर्मा	वरिष्ठ सहायक
श्री नाईम	सहायक
श्री बीजेंद्र सिंह	कनिष्ठ सहायक
श्री राम करण मीना	कनिष्ठ सहायक
श्री रामेश्वर दयाल शर्मा	दफ्तरी
श्री जगदीश सिंह	एमटीएस - ऑफिस अटेंडेंट
श्रीराम कनोजिया	एमटीएस - ऑफिस अटेंडेंट
श्री सुरिंदर सिंह रावत	एमटीएस - ऑफिस अटेंडेंट
सुश्री ममता	एमटीएस - सफाई कर्मचारी

लेखा और स्थापना विभाग

श्री शुब्रेंदु सिंह	प्रशासनिक अधिकारी
श्री बीजेंद्र	अनुभाग अधिकारी
श्री यशवंत सिंह चौहान	वरिष्ठ सहायक
श्री सूरज शर्मा	वरिष्ठ सहायक
सुश्री अंजू पराशर	सहायक
श्री संतोष पाल	सहायक
श्री शिवानी टंडन	कनिष्ठ सहायक
श्री मनीषा बिष्ट	कनिष्ठ सहायक
श्री यश कुमार	कनिष्ठ सहायक
श्री सचिन अग्रवाल	कनिष्ठ सहायक
श्री धर्मेंद्र सिंह	एमटीएस - ऑफिस अटेंडेंट

पुस्तकालय	
श्री एस एन त्रिपाठी	सह व्यवसायिक सहायक
श्री अमित गुलाटी	पुस्तकालय सहायक
सुश्री कविता	पुस्तकालय सह सहायक
सुश्री बीना देवी	पुस्तकालय सह सहायक
श्री बृजेश पाल	पुस्तकालय सह सहायक
श्री अनीश साहनी	पुस्तकालय सह सहायक
सुश्री दीपिका	पुस्तकालय सह सहायक
प्रद्योगिकी विभाग	
श्री अमित कुमार शर्मा	सिस्टम एवं नेटवर्क प्रशासक
सुश्री रीतिका सिंह	एमटीएस- कंप्यूटर अटेंडंट

प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क:

श्री राम करण मीना (डीलिंग असिस्टेंट)

rameena08@gmail.com

प्रॉस्पेक्टस कमेटी
2023-2024

संकाय

डॉ. अनिमेष महापात्रा - संयोजक

डॉ. विनीता गुप्ता चतुर्वेदी

डॉ. ज्योत्सना पाठक

डॉ. नेहा जिंगाला

डॉ. पूनम रानी

छात्र टीम

अहोना दास

कानन भाटिया

आल्याह सबरवाल

मेघा मंडल

मोक्षा फोतेदार

माणिक अग्रवाल

फ़ोटो गैलरी - दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स & कामर्स 2023-24

INSTITUTE OF MANAGEMENT & RESEARCH, NEW DELHI

LA FIESTA '23

This Day

ADroit
ADroit
GROWTH
FAMILY
I HOPE...

LOVE'S
ENDLESS
REACH

This Day

SAFE KRISHI
सब्जी कोठी

JUDO
Har Dil Mein Desh
KHELO INDIA
Uttar Pradesh
Garv Se Gaurav
25th May to 3rd June, 2023
KHELO INDIA UNIVERSITY GAMES 2022
UTTAR PRADESH
SAI
FIT INDIA
1

Reliance Foundation
YOUTH SPORTS
COME ON INDIA LETS PLAY

MAKTUB, THE POETRY SOCIETY
OF DELHI COLLEGE OF ARTS & COMMERCE
RIWAAYAT

DELHI COLLEGE OF ARTS & COMMERCE

Address : Netaji Nagar, New Delhi - 110023
Phone : 011-24109821 / Fax : 011-26882923
E-mail : principaldcac@gmail.com
Web Address : http://dcac.du.ac.in